

जेएनयू और जनेऊ के बीच झूलते राहुल, वामपंथियों के हाथ तिरंगा!

भारतीय राजनीति में प्रतीकों की अपनी अलग सियासत है। कभी लाल झंडे की क्रांति का उद्घोष करने वाले वामपंथियों के हाथों में तिरंगा और जनेऊधारी पहचान के सहारे राजनीतिक जमीन तलाशते राहुल गांधी के बीच बढ़ती वैचारिक नजदीकी आखिर किस बदलाव का संकेत है? क्या यह विचारधारा का स्वाभाविक परिवर्तन है, राजनीतिक अस्तित्व बचाने की रणनीति या कांग्रेस की वैचारिक रिक्तता से उपजा ऐसा गठजोड़, जिसमें विचार किसी और के हैं और राजनीतिक ब्रांड किसी दूसरे का?

भारतीय वामपंथ का इतिहास मजदूर आंदोलनों और वर्ग संघर्ष तक सीमित नहीं रहा। राष्ट्रवाद, राष्ट्रीय प्रतीकों और भारतीय सांस्कृतिक चेतना के साथ उसके रिश्ते पर भी लंबे समय से बहस होती रही है। आज जब वामपंथी संगठन तिरंगे, संविधान और लोकतंत्र को अपने राजनीतिक प्रतिरोध का प्रमुख प्रतीक बना रहे हैं, तो इसे लोकतांत्रिक अधिकारों की व्यापक स्वीकारता के रूप में देखा जा सकता है। लेकिन सवाल यह है

न्यूज विंडो

मायावती का बड़ा एलान: आकाश-ईशान को दी नई जिम्मेदारी

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने पार्टी संगठन और आगामी कार्यक्रमों को लेकर एक विस्तृत बयान जारी किया है। उन्होंने बसपा के राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद की परिपक्वता और मेहनत की सराहना करते हुए उनके आगामी जनसभा कार्यक्रमों की सूची जारी की है, जबकि उनके रिश्तेदार अशोक सिद्धार्थ की पार्टी में वापसी की सभी संभावनाओं को सिरे से खारिज कर दिया है। इसके अलावा, उन्होंने अपने दूसरे भतीजे ईशान आनंद की भी पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में सक्रिय भूमिका की घोषणा की है।

बंगाल: पावर प्लांट की निर्माणाधीन चिमनी का हिस्सा गिरा, 4 की मौत

कोलकाता। बंगाल के आसनसोल में देर रात एक पावर प्लांट की निर्माणाधीन चिमनी का एक हिस्सा गिर गया। हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। घटना के समय वहां कई मजदूर काम कर रहे थे। अधिकारियों के मुताबिक, शहर के जामुडिया इलाके में स्थित श्याम एसईएल एंड पावर लिमिटेड में निर्माण कार्य चल रहा था। इसी दौरान चिमनी का एक हिस्सा ढह गया। जामुडिया के विधायक बिजन मुखर्जी ने बताया कि हादसे में चार लोग मलबे में दब गए थे। सभी को बाहर निकाला गया। इनमें से तीन की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक को अस्पताल ले जाया गया। उसे वेंटिलेटर पर रखा गया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी भी मौत हो गई।

सऊदी अरब में टोही हेलीकॉप्टर कैंश, दो क्रू मेंबर्स की गई जान

नई दिल्ली। सऊदी अरब के नजरा में एक हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इसमें दो लोगों की मौत हो गई। हेलीकॉप्टर जहां दुर्घटनाग्रस्त हुआ है वो सऊदी नेशनल गार्ड मंत्रालय के अधिकार वाला क्षेत्र है। सऊदी अरब के नेतृत्व वाले गठबंधन के प्रवक्ता मेजर जनरल तुकी अल-मलिकी ने आज बयान जारी कर बताया कि सऊदी अरब के नजरा में टोही हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त होने से दो क्रू मेंबर की मौत हो गई है।

आज का कार्टून



प्रभावी और विश्वसनीय थिंक टैंक का अभाव

कांग्रेस की ऐतिहासिक ताकत उसकी वैचारिक विविधता थी। उसमें दक्षिणपंथी, वामपंथी और मध्यमार्गी धाराएं साथ चल सकती थीं। यही व्यापकता उसे समाज के विभिन्न वर्गों से जोड़ती थी। लेकिन जब संगठन का वैचारिक विमर्श परिवार-केंद्रित नेतृत्व के इर्द-गिर्द सिमटने लगा, तब संस्थागत विचार-मंथन की जगह नेतृत्व के राजनीतिक भविष्य ने ले ली। नतीजा यह है कि देश की इतनी पुरानी और व्यापक राजनीतिक पार्टी के पास आज अपनी दिशा तय करने वाला स्वतंत्र, प्रभावी और विश्वसनीय वैचारिक थिंक टैंक होने का स्पष्ट प्रमाण दिखाई नहीं देता। उसकी वैचारिक दिशा पर वामपंथी विमर्श का प्रभाव इसलिए अधिक दिखता है कि पार्टी के भीतर उसका कोई सशक्त संस्थागत विकल्प उभर नहीं पाया। राहुल गांधी की राजनीति में सामाजिक न्याय, जाति जनगणना, आर्थिक असमानता और धन के पुनर्वितरण जैसे मुद्दों का बढ़ता महत्व वामपंथी विमर्श से मेल खाता है। ये मुद्दे अपने आप में अनुचित नहीं हैं, लोकतंत्र में इन पर गंभीर बहस जरूरी है। समस्या तब पैदा होती है, जब कोई राष्ट्रीय पार्टी अपनी स्वतंत्र वैचारिक पहचान को मजबूत करने के बजाय दूसरे विचारधारात्मक खेमे से लगातार अवधारणाएं और रणनीतियां उधार लेने लगे। विचार वामपंथ के हों और उन पर ब्रांड कांग्रेस का लेबल चस्पा हो, तो यह राजनीतिक साझेदारी कितने दिन टिकेगी?

क्रि क्या प्रतीकों के इस बदलाव के साथ उनकी वैचारिक प्राथमिकताओं में भी कोई बुनियादी परिवर्तन आया है, या यह भाजपा के राष्ट्रवाद का मुकाबला करने की राजनीतिक रणनीति भर है? इस बहस का सबसे महत्वपूर्ण सिरा कांग्रेस से जुड़ता है। स्वतंत्रता आंदोलन की व्यापक राजनीतिक धारा से निकली और आजादी के बाद मध्यमार्गी राजनीति की प्रमुख प्रतिनिधि रही कांग्रेस ने सोनिया गांधी के नेतृत्व और विशेष रूप से राहुल गांधी के उभार के दौर में अपनी वैचारिक जमीन तेजी से खोई है। आज भी वह देश की प्रमुख राष्ट्रीय विपक्षी पार्टी है, लेकिन उसका वैचारिक अधिष्ठान पहले जैसी व्यापकता और स्पष्टता का परिचय नहीं देता। इसकी वजह केवल

लगातार चुनावी पराजय नहीं, बल्कि विचारधारा पर परिवार की प्राथमिकता देने की प्रवृत्ति भी है। राहुल गांधी के सामने जनेऊधारी हिंदू पहचान और जेएनयू से जुड़ी वामपंथी वैचारिक जमीन के बीच संतुलन बनाने की चुनौती भी इसी संकट का प्रतीक है। एक ओर भारतीय सांस्कृतिक पहचान से संवाद की आवश्यकता है, दूसरी ओर सामाजिक-आर्थिक प्रश्नों पर वामपंथी शब्दावली का बढ़ता प्रभाव। दोनों के बीच संवाद असंभव नहीं, लेकिन स्पष्ट वैचारिक दृष्टि के अभाव में यह संतुलन अवसरवाद का आभास पैदा करता है। कांग्रेस की समस्या यह है कि वह अपनी राजनीतिक पहचान को लेकर निर्णायक स्पष्टता प्रदर्शित नहीं कर पा रही। उसका संगठनात्मक संकट इस कमजोरी को

और गहरा करता है। अनेक राज्यों में कांग्रेस की चुनावी सफलता स्थानीय नेताओं के व्यक्तिगत जनाधार और विशिष्ट सामाजिक समीकरणों पर निर्भर है। ऐसे प्रभावशाली नेताओं की घटती संख्या और क्षेत्रीय दलों पर बढ़ती गठबंधन-निर्भरता ने उसके बूढ़-स्तरीय प्रबंधन और स्वतंत्र राजनीतिक क्षमता को प्रभावित किया है। भाजपा के संगठित चुनावी तंत्र और क्षेत्रीय दलों की स्थानीय पकड़ के सामने कांग्रेस की कमजोरियां खुलकर सामने आती हैं। हर पराजय का ठीकरा ईवीएम या निर्वाचन आयोग पर फोड़ना आसान हो सकता है, लेकिन इससे संगठन की कमियां दूर नहीं होंगी। चुनावी संस्थाओं पर सवाल उठाना लोकतांत्रिक अधिकार है, मगर आत्ममंथन का विकल्प नहीं।

बना रहेगा राजनीतिक दायरा सिमटने का खतरा

कांग्रेस का पुनरुत्थान केवल नए चेहरे, नए नारे या विपक्षी गठबंधनों के सहारे संभव नहीं। प्रियंका गांधी वाड़ा सहित किसी भी नेता की राजनीतिक भूमिका तभी सार्थक हो सकती है, जब पार्टी परिवार-केंद्रित निर्णय प्रक्रिया से आगे बढ़कर विचार, संगठन और नेतृत्व के बीच स्वस्थ संबंध स्थापित करे। वामपंथ से संवाद करना गलत नहीं, लेकिन अपनी स्वतंत्र वैचारिक पहचान को उसके हवाले कर देना आत्मघाती साबित हो सकता है। तिरंगा किसी दल की ढाल नहीं, पूरे राष्ट्र की पहचान है। उसे उठाना लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन उसकी गरिमा किसी राजनीतिक रणनीति से बड़ी है। राहुल गांधी और कांग्रेस के सामने असली सवाल यही है कि वे अपनी वैचारिक दिशा स्वयं तय करेंगे या जेएनयू और जनेऊ के बीच झूलते हुए दूसरों की विचारधारा को अपनी पहचान बनाते रहेंगे? क्योंकि कांग्रेस की चुनौती केवल भाजपा नहीं, उसकी अपनी वैचारिक अस्पष्टता और संगठनात्मक कमजोरी भी है। जब तक वह इस सच का सामना नहीं करती, चुनावी पराजय के बाद नए बहाने सामने आते रहेंगे और उसका राजनीतिक दायरा सिमटने का खतरा बना रहेगा।

ग्वालियर के शीतला माता मंदिर में दर्शन के लिए जमा भीड़ को ट्रक ने रौंदा, 15 की मौत

आस्था की कतार में मौत का ट्रक!

ग्वालियर, एजेंसी

यहां देर रात तेज रफ्तार ट्रक ने शीतला माता मंदिर में दर्शन के लिए लाइन में लगे श्रद्धालुओं को कुचल दिया। हादसे में 15 लोगों की मौत हो गई, जबकि दो पुलिसकर्मियों समेत 29 लोग घायल हैं जिनमे से 7 की हालत गंभीर बताई जा रही है। ट्रक श्रद्धालुओं और दुकानों को रौंदते हुए मंदिर के एंट्री गेट से टकराया। टक्कर से दीवार ढह गई, जिसके मलबे में कई लोग दब गए। पुलिस ने ट्रक मालिक मोहित सिंह और ड्राइवर दिलबाग सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। शीतला मंदिर पर नवरात्रों में श्रद्धालुओं की खासी भीड़ उमड़ती है और दर्शन दिन रात चलते हैं। हादसा रात करीब 2 बजे चीनौर रोड पर करीब 90 डिग्री के ढलान पर हुआ। स्थानीय निवासी सौरभ परिहार ने बताया कि ट्रक ढलान पर फिसलता हुआ आया। ड्राइवर कंट्रोल नहीं कर पाया और ट्रक भीड़ में घुस गया। दीवार गिरने से 50 से 60 लोग दब गए थे। हादसे के बाद मौके पर चीख पुकार मच गई और आनन फानन में रेस्क्यू शुरू किया गया। स्थानीय लोगों ने मलबा हटाकर लोगों को निकालने की कोशिश की। ट्रक का टायर निकालकर जैक की मदद से उसे हटाया गया। ट्रक को हटाने में 2 से 3 घंटे लग गए।

कलेक्टर रुचिका चौहान के मुताबिक एक्सीडेंट की खबरें आते ही और एम्बुलेंस और दूसरी गाड़ियां भेजी गईं। अब तक 29 घायलों की पुष्टि हुई है और ज्यादातर की पहचान हो चुकी है। पहले 13 लोगों की मौत हुई थी लेकिन दो गंभीर मरीजों ने भी दम तोड़ दिया। घायलों को जयारोग्य अस्पताल के अलावा अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

सौरभ और आशुतोष की रिहाई पर स्पेशल कोर्ट आज लेगी फैसला

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने सौरभ दास और आशुतोष रांका की रिहाई की मांग की है। दोनों तिहाड़ जेल में पांच दिन की न्यायिक हिरासत में हैं। सीजेपी की कानूनी टीम ने स्पेशल एंजीक्यूटिव मजिस्ट्रेट के सामने जमानतदारों के दस्तावेज जमा किए हैं। दोनों की रिहाई पर आज दोपहर बाद फैसला आने की उम्मीद है। दरअसल, पुलिस ने दोनों को अन्य CJP कार्यकर्ताओं के साथ जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान 13 अक्टूबर को पकड़ा था। इसके बाद स्पेशल कोर्ट ने दोनों को 5 दिन की न्यायिक हिरासत में तिहाड़ भेज दिया था।

गोलीबारी में 1 की मौत, तीन लोग घायल मणिपुर में फिर भड़की हिंसा, 15 घर फूँके

इंफाल/कामजोंग। मणिपुर के कामजोंग जिले के चसाद गांव में कुकी और नगा समुदायों के हथियारबंद समूहों के बीच गोलीबारी हुई। इसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि चार लोग घायल हो गए। हिंसा के बाद कुकी समुदाय के 15 घरों में आग लगा दी गई। पुलिस अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी।

स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि हमले के पीछे नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नागालैंड-इसाक मुख्वा और म्यांमार के तांगखुल उग्रवादी थे। हालांकि, इन आरोपों की

■ मंदिर की दीवार गिरने से कई लोग दबे

■ 29 घायलों का इलाज जारी, सात गंभीर

मृतकों के परिजनों को चार-चार लाख रुपए देने की घोषणा

पोस्टमॉर्टम रूम के बाहर परिजन ने पुलिस-प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताई। उन्होंने सवाल उठाया कि जिस रास्ते पर साइकिल तक नहीं जा सकती, वहां ट्रक कैसे पहुंचा। परिजन मुख्यमंत्री को मौके पर बुलाने की मांग पर अड़ गए। उन्हें अधिकारियों ने बमुश्किल समझाया और बताया कि मुख्यमंत्री घटना पर नजर रखे हुए हैं। घटना पर दुःख जताते हुए सीएम डॉ. मोहन यादव ने प्रभावित परिवारों के लिए आर्थिक सहायता की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिजनों को चार-चार लाख रुपये, गंभीर घायलों को दो-दो लाख रुपये और अन्य घायलों को 50-50 हजार रुपये देने के निर्देश दिए हैं।

भारत छोड़ने के नोटिस के खिलाफ हाईकोर्ट पहुंचे इमरान

नई दिल्ली। एक्टर और अमेरिकी नागरिक इमरान खान ने भारत छोड़ने के नोटिस को शनिवार को बॉम्बे हाईकोर्ट में चुनौती दी है। उन्होंने इसे मनमाना, गैरकानूनी और असंवैधानिक बताया है। मुंबई के फॉरेनर्स रीजनल रजिस्ट्रेशन ऑफिस ने उन्हें दूसरा नोटिस भी भेजा। इसमें पूछा गया है कि उनका ओवरसीज सिटीजन ऑफ इंडिया कार्ड क्यों न रह किया जाए। इमरान को जवाब देने के लिए 15 दिन का समय दिया गया है। पहले नोटिस में उन्हें 28 अक्टूबर से पहले भारत छोड़ने को कहा गया था।



केदारनाथ में बर्फबारी, तापमान माइनस में पहुंचा

यूपी में बाद से खेत डूबे, राजस्थान समेत 8 राज्यों में बारिश का अलर्ट

देहरादून/लखनऊ। उत्तराखंड में बारिश और बर्फबारी से तापमान माइनस में पहुंच गया है। केदारनाथ में तापमान करीब -6°C, बद्रीनाथ में -5°C और गंगोत्री में -5°C के आसपास रहा। यमुनोत्री में तापमान करीब 1°C दर्ज हुआ। महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु, केरल, गोवा और पुडुचेरी में बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। राजस्थान में वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के कारण मीसम में बदलाव हुआ है। इधर जयपुर में शाम को मौसम बदला और कई इलाकों में तेज बारिश हुई। यूपी में बाढ़ मुसीबत बनी हुई है। यूपी के लखनऊ और सीतापुर में बाढ़ का पानी



कम होने लगा है, लेकिन जलभराव से हालात बिगड़े हुए हैं। सीतापुर में सैकड़ों बीघा धान की फसल डूबी हुई है। किसान कमर तक पानी में फसल काट रहे हैं।

शहर में दशहरे पर 5 बड़े मंच, कोलार में सबसे बड़ा 105 फीट का रावण

भोपाल। राजधानी में दशहरे पर इस बार बुराई पर अच्छाई की जीत का उत्सव बड़े और आधुनिक अंदाज में मनाने की तैयारी है। अलग-अलग दशहरा मैदानों में आयोजन किया जाएगा। प्रदेश का सबसे बड़ा 105 फीट ऊंचे रावण का दहन भी होगा। रावण के साथ कुंभकर्ण और मेघनाद के विशाल पुतले आकर्षण बनेंगे। जंबूरी मैदान में केदारनाथ धाम की झांकी, झोन से पुष्पवर्षा और डिजिटल आतिशबाजी की तैयारी है। कलियासोत में लेजर शो व सांस्कृतिक प्रस्तुतियां होंगी। 20 अक्टूबर को मुख्य आयोजन के बीच शहर के अलग-अलग हिस्सों में होने वाले कार्यक्रमों से उत्सव का माहौल बनेगा। जंबूरी मैदान, कोलार-बंजारी, कलियासोत, टीटी नगर और बिट्टन मार्केट के अलावा छोला, भेल, शाहपुरा, सलेया समेत 25 स्थानों पर बड़े आयोजन होंगे।

यहां ऐसे रावण

जंबूरी मैदान, अवधपुरी: भोजपाल महोत्सव मेला समिति के आयोजन में 20 अक्टूबर को 101 फीट ऊंचे रावण का दहन होगा। यहां 85 फीट ऊंची केदारनाथ धाम की झांकी भी आकर्षण रहेगी। कोलार-बंजारी दशहरा मैदान: यहां 105 फीट ऊंचे रावण के दहन का आयोजन प्रमुख आकर्षणों में शामिल है। आतिशबाजी के साथ रामायण पर आधारित संगीतमय प्रस्तुतियां दर्शकों को आकर्षित करेंगी। कलियासोत दशहरा मैदान: यहां 90 फीट ऊंचे रावण, 85 फीट ऊंचे कुंभकर्ण और 80 फीट ऊंचे मेघनाद के पुतलों का दहन प्रस्तावित है। राम-रावण युद्ध के मंचन के साथ लेजर शो व विशेष प्रस्तुति की तैयारी है। पार्किंग की व्यवस्था भी प्रस्तावित है।



टीटी नगर में 55 फीट का रावण

टीटी नगर दशहरा मैदान: यहां 55 फीट ऊंचे रावण के दहन के साथ आतिशबाजी का मुकाबला आकर्षण रहेगा। भोपाल और राघोगढ़ की आतिशबाजी टीमें अपनी प्रस्तुति देंगी। बिट्टन मार्केट: यहां रावण का पुतला 53 फीट और कुंभकर्ण व मेघनाद के पुतले 51-51 फीट ऊंचे रहने की सूचना है। हालांकि, आयोजन समिति से अभी अंतिम पुष्टि नहीं की है।

न्यूज विंडो

तीसरी मंजिल पर लिफ्ट लगा रहा था, करंट लगने से गिरा, मौत

भोपाल। कोलार थाना पुलिस के मुताबिक, छिंदवाड़ा निवासी रवि धुवें मजदूरी करता था। वह समरदीप स्थित निर्माणधीन इमारत की तीसरी मंजिल पर लिफ्ट लगाने का काम कर रहा था। इस दौरान वह अनियंत्रित होकर नीचे गिर गया। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है। पुलिस घटनास्थल पर मौजूद लोगों से पूछताछ कर रही है। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि काम के दौरान सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम थे या नहीं।

अश्लील कमेंट का कामला: छात्रा का फोटो लगाकर इंस्टा आईडी बनाई

भोपाल। शाहपुरा में एमबीए की छात्रा की पहचान का दुरुपयोग कर इंस्टाग्राम पर फर्जी आईडी बनाई बनाने और उस पर अश्लील कमेंट पोस्ट करने का मामला सामने आया है। पुलिस के मुताबिक, शाहपुरा क्षेत्र में रहने वाली युवती एमबीए कर रही है। आरोप है, 11 अगस्त को अज्ञात व्यक्ति ने उसके नाम से फर्जी इंस्टा अकाउंट बनाकर डीपी पर अश्लील कमेंट पोस्ट कर दिया। छात्रा ने तीन दिन बाद शाहपुरा थाने पहुंचकर लिखित शिकायत दी थी। इस पर पुलिस ने जांच शुरू की है।

ये रोशनपुरा चौराहे का फुटपाथ है..पापड़ सुखाने में काम आ रहा है...



भोपाल। यह रोशनपुरा चौराहे पर फुटपाथ है। यहां पापड़ सुखाए जा रहे हैं। आहवास के लोग घर में जो पापड़ बनाते हैं, यही सुखाते हैं।

चार नकाबपोश बदमाश सीसीटीवी कैमरों में कैद 11 मील पर 3 दुकानों के ताले तोड़े शोरूम से 9.36 लाख रुपए उड़ाए

भोपाल। दोपहर मेट्रो

मिसरोद इलाके में 11 मील के पास देर रात रात बदमाशों ने एक के बाद एक तीन दुकानों को निशाना बनाया। चोरों ने पुरानी कारों के शोरूम का ताला तोड़ा और लॉकर में रखे 9 लाख 36 हजार रुपए उड़ा ले गए। इतना ही नहीं, चोरों ने पास की एक दुकान से पांच से छह हजार रुपए नकद और दूसरी दुकान से आठ से दस टी-शर्ट भी चुरा ली। सुबह दुकानदारों ने दुकान की हालत देखी तो चोरी का पता चला। उन्होंने तत्काल मिसरोद पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। शोरूम में लगे सीसीटीवी कैमरों में चार नकाबपोश बदमाश कैद हुए हैं। इस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने अज्ञात आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

लॉकर और दरवाजे भी टूटे मिले, नकदी गायब दिखाई

मिसरोद थाना पुलिस के मुताबिक, सतलापुर, जिला रायसेन निवासी नीलेश चौकसे (29) का 11 मील के पास 'न्यू कृष्णा कार' नाम से पुरानी गाड़ियों का शोरूम है। नीलेश रात करीब 8:30 बजे शोरूम बंद कर घर चले गए थे। अगले दिन सुबह करीब 10:30 बजे जब वह शोरूम पहुंचे, तो पीछे स्थित ऑफिस के गेट का ताला टूटा मिला। अंदर जाकर देखा तो लॉकर के दरवाजे भी टूटे हुए थे और उसमें रखी नकदी गायब थी। इसके बाद सीसीटीवी फुटेज खंगाले तो चोरी का पता चला।

कैंसर की जांच और इलाज में होगी आसानी हमीदिया में कैंसर मरीजों को बड़ी राहत, पीईटी से होगा इलाज

भोपाल। दोपहर मेट्रो

हमीदिया अस्पताल में कैंसर मरीजों के लिए जल्द ही पीईटी (पॉजिट्रॉन एमिशन टोमोग्राफी) स्कैन की सुविधा शुरू होने की उम्मीद है। अस्पताल प्रबंधन इसके लिए आवश्यक ढांचा तैयार करने में जुटा है। दिवंगत तक मशीन स्थापित करने की प्रक्रिया पूरी होगी। जनवरी से मरीजों को लाभ मिल सकेगा। इससे कैंसर की पहचान और उपचार के असर का आकलन करने में मदद मिलेगी। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार, यहां रोज 30 से 40 ऐसे मरीज आते हैं, जिन्हें कैंसर के इलाज की जरूरत होती है। पीईटी स्कैन शुरू होने से मरीजों को जांच के लिए बाहर जाने की जरूरत नहीं होगी। मरीजों को जांच की उपलब्धता और तय दरों पर लाभ मिल सकेगा।

आयुष्मान के मरीजों को निःशुल्क सुविधा संभव

आयुष्मान भारत योजना के पात्र मरीजों को नियमानुसार निःशुल्क उपचार की सुविधा मिल सकती है। हालांकि, पीईटी स्कैन की जांच इस योजना के तहत किस तरह कवर होगी। यह आयुष्मान से तय होगा। डॉक्टरों के अनुसार, पीईटी स्कैन कैंसर की जांच और इलाज की योजना बनाने में अहम भूमिका निभाता है। यह कोशिकाओं की चयापचय गतिविधियों की तस्वीर बनाता है। इससे असामान्य गतिविधि वाले हिस्सों की पहचान में मदद मिलती है। पीईटी-सीटी जांच में पीईटी व सीटी स्कैन की तस्वीरों का उपयोग किया जाता है।

निगम ने बढ़ाए कचरा गाड़ियों के फेरे, लेकिन पर्याप्त व्यवस्था अब भी नहीं

निगम का अमला कम, दिवाली की सफाई शुरू, कॉलोनियों में कचरा

भोपाल। दोपहर मेट्रो

नवरात्रि बीतने को है। दिवाली सिर पर है। शहरभर में लोगों ने घरों की साफ-सफाई और रंगाई-पुताई शुरू कर दी है। मां लक्ष्मी के स्वागत के लिए तैयार हो रहे शहर में इस बार नगर निगम के सामने सफाई की बड़ी चुनौती है। लोगों ने घरों से साफ-सफाई के दौरान रोजाना करीब 20 फीसदी तक ज्यादा कचरा निकल रहा है। इस कचरे को उठाकर आदमपुर छावनी लैंडफिल साइट तक पहुंचाना नगर निगम के लिए चुनौती बन गया है। जानकारों का कहना है कि आम दिनों के मुकाबले दिवाली की सफाई में निकलने वाले कचरे में हजारों क्वैट (खतरनाक) का आंकड़ा लगभग पांच फीसदी है, जिसे अलग से कचरा ट्रांसफर स्टेशन तक पहुंचाने और फिर उसे ठिकाने लगाने में खासी मशक्कत करनी पड़ रही है। हालांकि खतरनाक कचरे को निपटाने के लिए निगम ने पीथमपुर की एक कंपनी से करार किया है। अभी लगभग हर दिन कचरा कलेक्शन सेंटर्स से कंपनी को खतरनाक कचरे को भेजा जा रहा है। लेकिन मौजूदा जरूरत के अनुसार नगर निगम के कर्मचारी और कचरा वाहनों की संख्या में वृद्धि नहीं करने से परेशानी बढ़ रही है। नतीजा अतिरिक्त निकलने वाले कचरे को 25 से 30 फीसदी ही निगम उठा पा रहा है और बाकी कचरा खाली प्लॉटों, कॉलोनियों की सड़कों के साथ ही यहां-वहां फेंका जा रहा है।



कर्मचारी और संसाधन कम इसलिए दोगुनी हुई इयूटी

दिवाली में जैसे ही शहर में कचरा बढ़ता है वैसे ही नगर निगम ने सफाई कार्य में लगे कर्मचारियों और संसाधनों की इयूटी में झुकावा कर दिया है। कर्मचारियों के मुताबिक उनसे दोगुना काम कराया जा रहा है। सुबह छह बजे गाड़ी निकालने के बाद रात सात बजे तक काम करना पड़ रहा है। 800 मैजिक डोर टू डोर कचरा कलेक्शन के लिए लगे हैं, जो फेरे लगाने हैं, लेकिन अब एक-एक

फेरा और बढ़ा दिया गया है। साथ ही सुबह और शाम सफाई के साथ ही कर्मचारियों से अतिरिक्त इयूटी भी कराई जा रही है। दीपावली पर घरों से लेकर दुकान और प्रतिष्ठानों तक की सफाई की जाती है। ऐसे में हर रोज निकलने वाले कचरे की मात्रा 850 से बढ़कर 950 टन पहुंच गई है। ऐसे में ज्यादा कचरा उठाना होता है, जबकि संसाधन और साधन सीमित हैं।

खाली जगहों पर लोग फेंकने लगे हैं कचरा

समय पर कचरा गाड़ी न आने से लोग कॉलोनियों में खाली प्लॉट में कचरा फेंक रहे हैं। नगर निगम अधिकारियों का कहना है कि लोगों से अपील की गई है कि सफाई में निकलने वाले कचरे को सड़कों और खाली स्थानों पर न फेंके। महापौर मालती राय का कहना है कि सभी वार्डों में बेहतर साफ-सफाई के लिए निगम विशेष अभियान चला रहा है। सफाई अमले को सुबह की पारी में अपने वार्ड में नियमित सफाई के बाद दोपहर में पूरे जोन के सफाई मित्रों को एक वार्ड से लगाकर सफाई कराई जा रही है। वार्ड के अंदर की सड़कों की किनारे और खाली प्लॉटों की सफाई की जा रही है। इसकी जिम्मेदारी क्षेत्रीय एएचओ और एएचओ को दी गई है।

दुष्यंत कुमार स्मारक पांडुलिपि संग्रहालय के राजकर राज सभागार में कार्यक्रम

साहित्य साधना का सम्मान: घनश्याम मैथिल अमृत को मिला 'अभिव्यक्ति हिंदी सेवी सम्मान-2026'

भोपाल। दोपहर मेट्रो

साहित्य, कला एवं संस्कृति को समर्पित संस्था अभिव्यक्ति द्वारा वरिष्ठ साहित्यकार घनश्याम मैथिल अमृत को वर्ष 2026 के 'अभिव्यक्ति हिंदी सेवी सम्मान' से सम्मानित किया गया। दुष्यंत कुमार स्मारक पांडुलिपि संग्रहालय के राजकर राज सभागार में आयोजित समारोह में उन्हें शॉल, श्रीफल एवं स्मृति चिह्न भेंटकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता पुरातत्ववेत्ता पद्मश्री नारायण व्यास ने की। इस अवसर पर वरिष्ठ गीतकार डॉ. राधेश्याम मिश्रा, वरिष्ठ साहित्यकार एवं पूर्व कुलपति डॉ. प्रकाश बरतुनिया, वरिष्ठ पत्रकार रमेश शर्मा, बाल कल्याण एवं बाल साहित्य शोध संस्थान, भोपाल के निदेशक महेश



सक्सेना, डॉ. साधना गंगराड़े मौजहूद थे। समारोह में वरिष्ठ गीतकार मयंक श्रीवास्तव, गजलकार महेश अग्रवाल, व्यंग्यकार राजेंद्र गहण्णी, साहित्यकार दीपक पगारे, गीतकार दिनेश प्रभात, कवि बलराम गुमास्ता, पुरुषोत्तम तिवारी साहित्यार्थी, कवि-साहित्यकार बी.एल. गोहिया, कवि सुनील चतुर्वेदी,

डॉ. मोहन तिवारी आनंद, डॉ. रंजना शर्मा तथा गीतकार मनोज जैन मधुर को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन सत्यदेव सोनी ने किया। संस्था संस्थापक अध्यक्ष डॉ. अनीता तिवारी एवं उपाध्यक्ष श्रीमती सरोज दवे 'सवि' सहित कार्यकारिणी के पदाधिकारी भी मौजूद थे।

मेट्रो एंकर

पांच जगह हादसे थमे तो सूची से हटाने का प्रस्ताव, 11 अब भी खतरनाक

छह साल में ब्लैक स्पॉट पर 182 हादसे, 52 मौतें, 11 स्पॉट अब भी खतरनाक..जरा सी चूक हुई नहीं कि हादसा

भोपाल। दोपहर मेट्रो

शहर में सड़क हादसों को रोकने के लिए चिह्नित ब्लैक स्पॉट की संख्या 16 से घटकर 11 रह गई है। ट्रैफिक पुलिस ने पांच स्थानों को सूची से हटाने का प्रस्ताव भेजा है। इन जगहों पर वर्ष 2026 में हादसे और मौतें नहीं हुई हैं। हालांकि, बाकी 11 स्थानों पर अब भी हादसों का खतरा बना हुआ है। पिछले छह साल में इन ब्लैक स्पॉट पर 182 सड़क हादसे हुए, जिनमें 52 लोगों की मौत हुई। इन आंकड़ों से साफ है कि सड़क पर छोटी सी लापरवाही के साथ ही खराब व्यवस्था भी जानलेवा साबित हो सकती है। विशेषज्ञों का कहना है कि सभी स्पॉट सही करने होंगे।



कहीं पेड़ बन रहे परेशानी, कहीं तेज रफ्तार

कोर्ट चौराहे पर डिवाइडर पर लगे पेड़ बड़े हो गए हैं। इससे दूसरी तरफ से आने वाले वाहन समय पर दिखाई नहीं देते। खासकर रात में प्लेटिनम भवन की तरफ से तेज रफ्तार में आने वाली गाड़ियों से हादसों का खतरा बढ़ जाता है। यहां पेड़ों की छांटाई और वाहनों की

रफ्तार पर नियंत्रण जरूरी है। अटल पथ पर प्लेटिनम प्लाजा और स्मार्ट सिटी रोड की तरफ से तेज रफ्तार में वाहन आते हैं। यहां ट्रैफिक सिग्नल बंद रहने से भी परेशानी होती है। अलग-अलग दिशाओं से आने वाले वाहनों को नियंत्रित करना मुश्किल हो जाता है।

12 साल की बच्ची की हत्या का मामला

बेटी की हत्या से पिता आक्रोशित, बोले- आरोपी को हमारे हवाले करो



भोपाल। दोपहर मेट्रो

बैरागढ़ में तीन दिन पहले कबाड़ा बीनने घर से निकली 12 साल की मासूम की हत्या करने वाला मोबिन पुलिस की गिरफ्त में तो आ गया, लेकिन मासूम के घरवालों का जख्म कभी नहीं भर सकेगा। मासूम के पिता का दर्द गुस्से में बदल गया। उसने आरोपी मोबिन को फांसी देने की मांग की। उसने कहा, यदि कानून उसे सजा नहीं दिला सकता तो आरोपी को उनके हवाले कर दिया जाए, वे उसे जिंदा जला देंगे। पिता का आरोप है कि बेटी के साथ गलत काम करने के बाद हत्या की गई और सबूत छिपाने के लिए उसके मुंह में कपड़ा दूंसकर शव के ऊपर पुरानी आलमारी फेंक दी गई और कपड़े से ढंक दिया। परिवार के इस गुस्से के बाद बैरागढ़ के लोगों का गुस्सा भी सातवें आसमान पर जा पहुंचा। खास यह है कि पूरे मामले में परिजनों ने पुलिस की शुरुआती कार्रवाई पर भी सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि अगर समय पर

ये है मामला

परिजनों के मुताबिक, बच्ची 15 अक्टूबर की शाम करीब 7 बजे रोजाना की तरह कबाड़ा बीनने के लिए घर से निकली थी। इसी दौरान रास्ते में आरोपी मोबिन मिला और वह उसे अपने साथ ले गया। इसके बाद बच्ची घर नहीं लौटी। परिवार ने उसकी तलाश शुरू की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। पिता का कहना है कि बच्ची के लापता होने के बाद 15 अक्टूबर की रात करीब 11 से 12 बजे के बीच वे बैरागढ़ थाने पहुंचे और गुमशुदगी की सूचना दी। आरोप है कि पुलिस ने शिकायत से संबंधित कागजी कार्रवाई तो की, लेकिन बच्ची को तलाशने के लिए प्रभावी प्रयास नहीं किए। परिवार पूरी रात बच्ची को खोजता रहा और अगले दिन भी उसकी तलाश जारी रखी।

बच्ची की तलाश की जाती, तो शायद उसकी जान बच सकती थी।

शाहपुरा पुलिस ने सुल्तानाबाद के युवक को दबोचा बैग में मिले क्रेडिट कार्ड से की 68 हजार रुपए की खरीदारी, धराया

भोपाल। दोपहर मेट्रो

शाहपुरा थाना पुलिस ने क्रेडिट कार्ड से 68 हजार रुपए की साइबर ठगी के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी को इडली एंड मोर रेस्टोरेंट के पास एक बैग मिला था। बैग में रखे मोबाइल की सिम अपने फोन में लगाकर उसने क्रेडिट कार्ड के ओटीपी का इस्तेमाल किया और ऑनलाइन मोबाइल खरीद लिया। फरियादिया सुकन्या गाडगे ने 13 अक्टूबर 2026 को शाहपुरा थाने में शिकायत की थी। उन्होंने कहा था, 10 अक्टूबर को उनका एक बैग गुम हो गया था। बैग में आईफोन, दो एंड्रॉयड फोन, क्रेडिट कार्ड, एटीएम कार्ड, चेक बुक और अन्य दस्तावेज थे। 13 अक्टूबर को उनके क्रेडिट कार्ड से 68,502 रुपए का फ्रॉड ट्रांजैक्शन हुआ।

आरोपी के पास से सभी सामान किया बरामद

पुलिस ने क्रेडिट कार्ड से ट्रांजैक्शन के आधार पर शिवम कंहार (28) ईडब्ल्यूएस-303, कोटरा सुल्तानाबाद से पूछताछ की। आरोपी ने बताया कि उसे इडली एंड मोर रेस्टोरेंट के पास बैग मिला था। उसमें मोबाइल फोन, क्रेडिट कार्ड, एटीएम कार्ड और चेक बुक रखी थी। आरोपी ने बैग में रखे मोबाइल की सिम अपने मोबाइल में लगाई व क्रेडिट कार्ड से संबंधित ओटीपी का इस्तेमाल कर 68,502 रुपए का ऑनलाइन ट्रांजैक्शन किया। इस रकम से मोबाइल फोन खरीदा। सभी सामान जब्त किए।

इन पांच जगहों पर राहत

जेसी मिल, तरुण पुष्कर तिराहा, बेस्ट प्राइस तिराहा भानपुर, समरधा, सुखी सेवनिया, इंदौर रोड को ब्लैक स्पॉट की सूची से हटाने का प्रस्ताव पीएचव्यू भेजा है। इन जगहों पर निगरानी व्यवस्था में सुधार के बाद हादसे नहीं हुए हैं। अब इन स्थानों को सूची से हटाने की तैयारी है।

पर भी निगरानी चल रही है। अभी बागसेवनिया थाने के सामने वाले चौराहे पर लेफ्ट टर्न क्लीयर कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने आंध्र में बिछाई निवेश की बिसात, ‘भोपाल निवेशक सम्मेलन-2027’ पर नजर

उद्योगपतियों को कपड़ा, ऊर्जा, इंजीनियरिंग और पर्यटन में निवेश का न्योता

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में औद्योगिक निवेश बढ़ाने और रोजगार के नए अवसर पैदा करने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आंध्र प्रदेश में उद्योगपतियों से सीधा संवाद किया। मुख्यमंत्री ने निवेशकों को प्रदेश की अनुकूल औद्योगिक नीतियों, उपलब्ध संसाधनों और कारोबारी संभावनाओं की जानकारी देते हुए मध्यप्रदेश में उद्योग स्थापित करने का आमंत्रण दिया। उन्होंने भरोसा दिलाया कि राज्य सरकार की निवेश प्रोत्साहन नीतियां उद्योगों को आगे बढ़ने में मदद करेंगी। इस दौरान कपड़ा उद्योग, कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण, इंजीनियरिंग, पर्यटन, अधोसंरचना और सौर ऊर्जा सहित कई क्षेत्रों में निवेश की संभावनाओं पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने



पुराने प्रस्तावों का दिया हवाला

मुख्यमंत्री ने उद्योगपतियों को भोपाल में होने वाले ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2027 में शामिल होने का निमंत्रण दिया। उन्होंने बताया कि वर्ष 2025 में भोपाल में आयोजित निवेशक सम्मेलन में करीब 30 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए थे। इनमें से लगभग एक-तिहाई प्रस्तावों को धरातल पर उतारा जा चुका है। सरकार अब नए निवेशकों को जोड़ने और प्रस्तावों को वास्तविक परियोजनाओं में बदलने पर जोर दे रही है। मुख्यमंत्री ने आंध्र प्रदेश वैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री फेडरेशन के अध्यक्ष पीतलूरी भास्कर राव से भी मुलाकात की। उन्हें व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल के साथ भोपाल में होने वाले सम्मेलन में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया।

वस्त्र उद्योग से खाद्य प्रसंस्करण तक नए अवसर

वस्त्र उद्योग में निवेश की संभावनाओं पर मुख्यमंत्री ने मोहन स्पिन्टेक्स इंडिया लिमिटेड के संस्थापक वी. सुधाकर चौधरी और अनंत लक्ष्मी स्पिनिंग मिल्स के अध्यक्ष सामिनेनी कोटेश्वर राव से चर्चा की। उन्होंने धार के पीएम मित्र पार्क और कपास उत्पादक क्षेत्रों में इकाइयां स्थापित करने का प्रस्ताव रखा। बातचीत में कताई, बुनाई, घरेलू वस्त्र निर्माण और प्रसंस्करण इकाइयों की संभावनाओं पर विचार किया गया।

कृषि क्षेत्र में जैव उर्वरक, कृषि आदान और कृषि परिवहन से जुड़े निवेश पर भी चर्चा हुई। खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में तैनाती डबल हॉर्स के प्रबंध संचालक मोहन श्याम प्रसाद के साथ दलहन उत्पादक क्षेत्रों के आसपास दाल मिल स्थापित करने की संभावनाएं तलाशी गईं। वहीं, कॉन्टिनेंटल कॉफी के प्रतिनिधि के साथ मध्यप्रदेश में कॉफी मिश्रण, पैकेजिंग और वितरण केंद्र विकसित करने पर विचार-विमर्श हुआ।

प्रदेश के 11 जिलों में इंदौर जैसे जलसंकट की आहट

धार में अभी से ट्यूबवेल बंद, उज्जैन में बचा सिर्फ 70 दिनों का पानी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

इंदौर जैसे जलसंकट की आहट मध्य प्रदेश के 11 जिलों में सुनाई देने लगी है। इन जिलों में सामान्य से 80 फीसदी या उससे कम बारिश हुई है। नदियों में पानी कम है और डैम भी पूरी तरह नहीं भर सके हैं। ऐसे में गर्मी से पहले ही जलसंकट का खतरा बढ़ने लगा है। इंदौर की 40 लाख आबादी को पानी देने वाले जलस्रोत भी खाली होने लगे हैं। भीषण जलसंकट की आशंका को देखते हुए नगर निगम ने सरकार से 50 करोड़ रुपए का पैकेज मांगा है। धार में हालात ज्यादा चिंताजनक हैं। यहां अक्टूबर में ही ट्यूबवेलों से कम पानी आ रहा है। उज्जैन में सिर्फ 70 दिन का पानी बचा है। पानी की कमी से पेयजल व्यवस्था के साथ सिंहस्थ की तैयारियां भी प्रभावित हो सकती हैं। शहर में भूजल स्तर गिरकर 200 फीट तक पहुंच गया है। वहीं, प्रभावित जिलों को सूखाग्रस्त घोषित करने की मांग उठ रही है, लेकिन अब तक जलसंकट से निपटने के लिए कोई ठोस योजना तैयार नहीं हुई है।

उज्जैन में इस बार औसतन 682 मिमी यानी करीब 27 इंच बारिश हुई, जबकि यहां सामान्य बारिश 35 इंच है। कम बारिश के कारण शहर को पानी सप्लाई करने वाला गंभीर डैम पूरी तरह नहीं भर पाया। डैम की क्षमता 2,250 एमसीएफटी है, लेकिन इस



शुरू हुई सूखे से निपटने की तैयारी

प्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर में इस बार सामान्य से कम बारिश हुई है। यहां आमतौर पर करीब 37 इंच बारिश होती है, लेकिन इस बार सिर्फ 23 इंच पानी बरसा है। इसे देखते हुए महापौर पुष्पमित्र भार्गव ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से जल प्रबंधन के लिए 50 करोड़ रुपए का पैकेज मांगा है। इस मुद्दे पर मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और तुलसी सिलावट भी बैठकें कर चुके हैं। इंदौर के ज्यादातर तालाबों में पानी कम बचा है। छोला बिलावली और लिंबोदी तालाब में तो एक फीट पानी भी नहीं है। पिंपलियापाला तालाब में 22 फीट की क्षमता के मुकाबले सिर्फ 7.6 फीट पानी बचा है। यशवंत सागर, बड़ा बिलावली, बड़ा सिरपुर और छोटा सिरपुर तालाब में भी पानी की कमी है। इंदौर में रोजाना करीब 800 एमएलडी पानी की जरूरत होती है। ऐसे में कम बारिश और तालाबों में घटते जलस्तर के कारण शहर में 18 साल बाद गंभीर जलसंकट की आशंका बढ़ गई है।

बार इसमें पानी का स्तर केवल 636 एमसीएफटी तक पहुंचा। इसमें से 100 एमसीएफटी डेड स्टोरेज घटाने के बाद जलापूर्ति के लिए उपलब्ध पानी से सिर्फ 70 दिन, यानी 22 दिसंबर तक ही पानी सप्लाई किया जा सकेगा। उज्जैन निगम के अपर आयुक्त पवन कुमार सिंह ने बताया कि इससे पहले, इस साल जून में भी गंभीर डैम में पानी जलापूर्ति के लिए उपलब्ध पानी से सिर्फ 70 नर्मदा की पाइपलाइन से पानी लिया गया था।

धार में 49.45 फीसदी कम बारिश, खेती पर संकट

धार में इस बार सिर्फ 25.84 इंच बारिश हुई है, जो सामान्य से करीब 10 इंच कम है। 2025 में यहां औसतन 51.13 इंच बारिश हुई थी। कम बारिश का असर अब खेतों से लेकर बाजार तक दिखने की आशंका है। किसान लगातार जिले को सूखाग्रस्त घोषित करने की मांग कर रहे हैं। पर्याप्त बारिश होने पर किसान गेहूं, लहसुन, प्याज और मटर समेत कई फसलें उगाते हैं, लेकिन इस बार पानी की कमी को देखते हुए कई किसान चना, तिवड़ा, तुकमरी (तुकमारिया), रायड़ा और कम पानी में होने वाली दूसरी फसलों की बुवाई कर रहे हैं। पानी की कमी के कारण कई बोरिंग अभी से बंद हो गए हैं, जबकि कुछ में रुक-रुककर पानी आ रहा है। इससे सिंचाई करने में परेशानी हो रही है और फसलों का उत्पादन घटने की आशंका है। धार शहर की करीब डेढ़ लाख आबादी की पेयजल जरूरतें पूरी करने वाले दिवावरा, नटनगरा, नयापुरा और सीतापाट तालाबों में अब करीब 25 से 30ल पानी ही बचा है। वहीं, मुंज तालाब भी लगभग 40 फीसदी भरा हुआ है।



दतिया में न्यूक्लियर पावर प्रोजेक्ट की सुगबुगाहट

बसई में 32,850 करोड़ रुपए की लागत से प्लांट खोलने का प्रस्ताव ललितपुर के यूरैनियम से मदद

दतिया, दोपहर मेट्रो

प्रदेश के दतिया स्थित बसई क्षेत्र में नेशनल थर्मल पावर कॉर्पोरेशन (एनटीपीसी) न्यूक्लियर पावर प्रोजेक्ट खोले जाने की संभावना है। हालांकि इसके अलावा बिहार के बांका और ओडिशा में नबरंगपुर का भी प्रस्ताव है। बसई उत्तर प्रदेश से सटा है, साथ ही यहां से बेतवा नदी भी गुजरती है। ऐसे में क्षेत्र को प्रोजेक्ट के लिए संभावित स्थानों में रखा गया है। एनटीपीसी की टीम यहां निरीक्षण कर संभावनाएं तलाश चुकी है। हालांकि परियोजना स्थापित करने को लेकर अंतिम निर्णय, अधिकृत मंजूरी और भूमि चयन की स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी है।

दरअसल परमाणु बिजली परियोजना जैसे बड़े औद्योगिक उपक्रम के लिए स्थान का चयन कई तकनीकी, पर्यावरणीय और सुरक्षा संबंधी पहलुओं को ध्यान में रखकर किया जाता है। इसमें पर्याप्त भूमि, पानी की उपलब्धता, भूगर्भीय स्थिति, बिजली के प्रसारण की व्यवस्था और आसपास की आबादी जैसे विषय महत्वपूर्ण होते हैं। यदि बसई में संयंत्र स्थापित करने की प्रक्रिया आगे बढ़ती है, तो इसका प्रभाव केवल बिजली उत्पादन तक सीमित नहीं रहेगा। निर्माण के दौरान श्रमिकों, तकनीकी कर्मचारियों और विभिन्न सेवाओं से जुड़े लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

संयंत्र के लिए जमीन और पानी जरूरी

संयंत्र के लिए स्थल चयन के दौरान जमीन की मजबूती, भूकंप की आशंका, बाढ़ का खतरा, आसपास की आबादी और पर्यावरणीय प्रभावों का अध्ययन किया जाता है। संयंत्र को ढंढा रखने और बिजली उत्पादन की प्रक्रिया में पानी की आवश्यकता होती है। इसलिए जल स्रोत की उपलब्धता और उसकी दीर्घकालीन क्षमता का आकलन भी जरूरी है। बसई क्षेत्र उत्तर प्रदेश के ललितपुर से मात्र 52 किमी की दूरी पर है, इस पावर प्रोजेक्ट के लिए टरबाइन चलाने के लिए आवश्यक यूरैनियम का भंडार ललितपुर में पाया गया है। परियोजना में बसई और मकडारी में दो चेक डैम पानी की आपूर्ति के लिए बनाए जाने हैं। जिनका उपयोग सदी और बारिश के मौसम में पानी की आपूर्ति के लिए किए जाएंगे। गर्मी में चार माह माताटीला डैम से पानी लेने का प्लान रहेगा। प्रोजेक्ट के लिए लगभग 2200 से 2500 एकड़ जमीन की आवश्यकता होगी। इनमें दो से चार हजार मेगावाट क्षमता का संयंत्र खोला जाना है। यह 32 हजार 850 करोड़ की लागत का प्लांट होगा।

भोपाल में जुटेंगे 1000 क्रिएटर्स,एक-दूसरे से होगा संवाद

भोपाल। मध्य प्रदेश के बड़े क्रिएटर सम्मेलनों में शामिल भोपाल क्रिएटर्स समिट 2026 का चौथा संस्करण 24 अक्टूबर को होटल ताज में होगा। इसमें देशभर से 1000 से अधिक क्रिएटर्स, डिजिटल कंटेंट क्रिएटर्स, फिल्म मेकर्स, फोटोग्राफर्स, संगीतकारों, डॉसर्स, गेमर्स, कलाकारों और मनोरंजन जगत से जुड़े प्रतिभाशाली लोग एक मंच पर जुटेंगे। समिट का उद्देश्य देश के क्रिएटर इकोसिस्टम को मजबूत करना, उभरती प्रतिभाओं को पहचान दिलाना और मध्य प्रदेश को कला, संस्कृति एवं डिजिटल क्रिएटिविटी के एक प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करना है। इस वर्ष के समिट का प्रमुख आकर्षण क्रिएटर्स अवॉर्ड शो होगा।

ओबीसी आरक्षण पर आमने-सामने कांग्रेस और भाजपा

तन्खा बोले- सरकार ने कोर्ट में आंकड़े नहीं रखे मंत्री ने कहा- कांग्रेस ने धोखा दिया

जबलपुर, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में ओबीसी के 27 प्रतिशत आरक्षण को लेकर सियासत गरमा गई है। राज्यसभा सांसद और वरिष्ठ अधिवक्ता विवेक तन्खा ने हाईकोर्ट में सरकार की पैरवी पर सवाल उठाते हुए कहा कि आरक्षण के समर्थन में पर्याप्त तथ्य और जरूरी आंकड़े पेश नहीं किए गए। उन्होंने सरकार से सुप्रीम कोर्ट में ठोस तथ्यों के साथ मजबूती से पक्ष रखने की अपील की। वहीं, लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने आरक्षण के मुद्दे पर कांग्रेस को घेरते हुए आरोप लगाया कि जल्दबाजी में तैयार किए गए विधेयक की कमियों के कारण मौजूदा स्थिति बनी है।

तन्खा ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने अध्यादेश के माध्यम से ओबीसी आरक्षण 14 प्रतिशत से बढ़ाकर 27 प्रतिशत किया था। हालांकि, बाद में सत्ता परिवर्तन के बाद इस फैसले का अदालत में बचाव करने की जिम्मेदारी भाजपा सरकार की थी। उनके मुताबिक, आरक्षण के पक्ष में पर्याप्त कानूनी आधार और आंकड़े प्रस्तुत करना राज्य सरकार की जिम्मेदारी है। तन्खा ने कहा कि हाईकोर्ट के फैसले से

ऐसा प्रतीत होता है कि सरकार जरूरी मात्रात्मक आंकड़े प्रस्तुत नहीं कर पाई। यदि पर्याप्त तथ्य अदालत के सामने रखे जाते, तो फैसले की स्थिति अलग हो सकती थी। अब सरकार के पास सुप्रीम कोर्ट में अपना पक्ष रखने का अवसर है। तन्खा ने इंदिरा साहनी मामले का उल्लेख करते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट की नौ न्यायाधीशों की पीठ ने सामान्य परिस्थितियों में आरक्षण की सीमा 50 प्रतिशत तय की थी। इससे अधिक आरक्षण देने के लिए असाधारण परिस्थितियां साबित करने और उनके समर्थन में पर्याप्त मात्रात्मक आंकड़े प्रस्तुत करने की जरूरत होती है।

कांग्रेस पर जल्दबाजी का आरोप

दूसरी ओर, लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने कांग्रेस पर ओबीसी आरक्षण के मामले में धोखा देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट के आदेश में कांग्रेस सरकार के विधेयक को जल्दबाजी में तैयार किए जाने और उसमें कमियां होने की बात सामने आई है। इसी वजह से वर्तमान स्थिति बनी। राकेश सिंह ने कहा कि राज्य सरकार का प्रयास है कि सभी वर्गों के साथ न्याय हो। इस मुद्दे पर कांग्रेस और भाजपा के बीच आरोप-प्रत्यारोप के बीच अब सुप्रीम कोर्ट में होने वाली कानूनी कार्रवाई महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

प्रदेश में मछली पालन के कारोबार को मिलेगी नई उड़ान

4.50 लाख हेक्टेयर क्षेत्र से निवेश-निर्यात बढ़ाने की तैयारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में मत्स्य पालन को बड़े कारोबार में बदलने और मछुआरों की आमदनी बढ़ाने के लिए राज्य सरकार नई पहल करने जा रही है। प्रदेश में मछली उत्पादन के साथ प्रसंस्करण, भंडारण, पैकेजिंग और निर्यात को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 23 अक्टूबर को भोपाल में फिशरीज इन्वेस्टर्स एंड एक्सपोर्टर्स कॉन्क्लेव-2026 आयोजित होगा। कुशाभाऊ ठाकरे अंतरराष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में होने वाले इस सम्मेलन में देशभर के निवेशक, निर्यातक, मत्स्य उद्यमी, स्टार्ट-अप और विशेषज्ञ जुटेंगे। सरकार की कोशिश प्रदेश की जल संपदा का बेहतर इस्तेमाल कर मत्स्य उद्योग में निवेश बढ़ाने, नए बाजार खोलने और रोजगार के अवसर पैदा करने की है। मध्यप्रदेश में लगभग 4 लाख 50



हजार हेक्टेयर जल क्षेत्र उपलब्ध है। यह संसाधन अंतर्देशीय मत्स्य पालन, केज कल्चर और मछली आधारित उद्योगों के विस्तार के लिए बड़ी संभावना प्रस्तुत करता है। सरकार अब इस क्षमता को उत्पादन तक सीमित रखने के बजाय इससे जुड़े दूसरे कारोबारों को भी

केज कल्चर इकाइयों का होगा वर्चुअल उद्घाटन

कॉन्क्लेव में एकीकृत केज कल्चर इकाइयों का वर्चुअल उद्घाटन किया जाएगा। केज कल्चर यानी जलाशयों में विशेष जाल-पिंजरों के माध्यम से मछली पालन की तकनीक। इसके जरिए उपलब्ध जल संसाधनों का योजनाबद्ध उपयोग कर मत्स्य उत्पादन बढ़ाने की संभावनाएं विकसित की जा सकती हैं। इसके अलावा प्रदेश के जलाशयों और अमृत सरोवरों के एकीकृत विकास से जुड़ी परियोजनाओं के प्रशासनिक स्वीकृति-पत्र भी दिए जाएंगे। इन पहलों का

विकसित करना चाहती है। मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विकास राज्य मंत्री नारायण सिंह पंचार अनुसार, सम्मेलन का प्रमुख उद्देश्य प्रदेश सहित देश के अंतर्देशीय मत्स्य उत्पादन को आधुनिक प्रसंस्करण इकाइयों, शीत-श्रृंखला व्यवस्था और राष्ट्रीय-

अंतरराष्ट्रीय बाजारों से जोड़ना है। इससे मछलियों को सुरक्षित रखने, उनकी गुणवत्ता बनाए रखने और बाजार तक पहुंचाने की व्यवस्था मजबूत करने में मदद मिल सकती है। सम्मेलन में मध्यप्रदेश राज्य मत्स्य निवेश एवं निर्यात प्रोत्साहन नीति-2026 का विमोचन

किया जाएगा। इसके जरिए मत्स्य क्षेत्र में निवेश और कारोबारी गतिविधियों को बढ़ावा देने की दिशा में राज्य सरकार की रणनीति सामने आएगी। इसके साथ ही अंतर्देशीय राज्यों की मत्स्य निर्यात क्षमता बढ़ाने के लिए तैयार मानक संचालन प्रक्रिया भी जारी की जाएगी।

शक्ति जागरण: महाष्टमी

शक्ति, साधना और आत्मविश्वास का महापर्व

शारदीय नवरात्रि में अष्टमी का विशेष धार्मिक और आध्यात्मिक महत्त्व है। आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की अष्टमी को दुर्गाष्टमी या महाष्टमी कहा जाता है। नौ दिनों तक चलने वाली देवी आराधना में यह तिथि विशेष स्थान रखती है। अनेक परिवारों में इसी दिन कन्या पूजन किया जाता है, जबकि कुछ परिवार नवमी को यह परंपरा निभाते हैं। श्रद्धालु अपनी कुल परंपरा और मान्यता के अनुसार पूजा-अर्चना करते हैं। मंदिरों में विशेष श्रृंगार, दुर्गा सप्तशती का पाठ और हवन जैसे अनुष्ठान होते हैं। मान्यता है कि सच्चे मन से की गई आराधना व्यक्ति को भय, निराशा और नकारात्मक विचारों से उबरने की प्रेरणा देती है।

महागौरी की आराधना

नवरात्रि के आठवें दिन मां दुर्गा के महागौरी स्वरूप की पूजा की जाती है। देवी के इस स्वरूप को शांति, पवित्रता, सौम्यता और करुणा का प्रतीक माना गया है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, मां महागौरी अपने भक्तों के कष्ट दूर करती हैं और उन्हें सुख-समृद्धि का आशीर्वाद देती हैं। उनका स्वरूप यह संदेश देता है कि जीवन में शक्ति के साथ शांति और दृढ़ता के साथ संवेदनशीलता भी आवश्यक है। पूजा के दौरान श्रद्धालु देवी को पुष्प, फल, मिठाई, नारियल और चुनरी अर्पित करते हैं। कई स्थानों पर दुर्गा सप्तशती का पाठ किया जाता है। घरों में दीप प्रज्वलित कर परिवार की सुख-शांति और मंगल की कामना की जाती है। हालांकि पूजा की विधि अलग-अलग क्षेत्रों और परिवारों में भिन्न हो सकती है, लेकिन श्रद्धा और साधना को इसका मूल आधार माना जाता है।

कन्या पूजन की परंपरा

दुर्गाष्टमी की सबसे चर्चित परंपराओं में कन्या पूजन शामिल है। इसमें छोटी कन्याओं को देवी के स्वरूप के रूप में सम्मान दिया जाता है। उनके धरे धोने, तिलक लगाने, भोजन कराने और उपहार देने की परंपरा कई घरों में निभाई जाती है। कन्याओं के साथ एक बालक को भी आमंत्रित करने की परंपरा कुछ क्षेत्रों में प्रचलित है, जिसे भैरव स्वरूप से जोड़ा जाता है।

कन्या पूजन का आध्यात्मिक भाव बालिकाओं में देवी शक्ति का दर्शन करना और उनके प्रति सम्मान व्यक्त करना है। इस परंपरा का वास्तविक संदेश तभी सार्थक होता है, जब यह सम्मान पूजा के दिन तक सीमित न रहे। बेटियों को शिक्षा, सुरक्षा, समान अवसर और अपने जीवन के फैसले लेने की स्वतंत्रता देना भी उसी भावना का विस्तार है। बालिकाओं के प्रति भेदभाव समाप्त करना और उनकी प्रतिभा को आगे बढ़ने का अवसर देना शक्ति उपासना के मूल भाव को जीवन में उतारना है।

नॉलेज स्टोरी

प्रशांत महासागर का रंग बदला, अल नीनो से दुनिया के मौसम पर खतरा

प्रशांत महासागर में तेजी से बदलते तापमान, समुद्र के जलस्तर में उतार-चढ़ाव और पानी के रंग में बदलाव ने वैज्ञानिकों का ध्यान खींचा है। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के उपग्रह समुद्र में विकसित हो रहे अल नीनो के संकेतों पर नजर रख रहे हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार, यह मौसमी घटना दुनिया के कई हिस्सों में बारिश, सूखा, गर्मी और तूफानों के स्वरूप को प्रभावित कर सकती है। समुद्र की सतह का तापमान सामान्य से बढ़ने और हवाओं के कमजोर पड़ने से समुद्री पारिस्थितिकी पर भी असर पड़ रहा है। इसका परिणाम मछलियों की उपलब्धता से लेकर किसानों और तटीय समुदायों की आजीविका तक दिखाई दे सकता है।

अल नीनो प्रशांत महासागर के भूमध्यरेखीय क्षेत्र में समुद्र की सतह का तापमान असामान्य रूप से बढ़ने से जुड़ी जलवायु घटना है। इसकी शुरुआत में समुद्र के भीतर चलने वाली केल्विन तरंगों की अहम भूमिका हो सकती है। ये तरंगें पश्चिमी प्रशांत से पूर्वी प्रशांत की ओर गर्म पानी और ऊर्जा पहुंचाती हैं। इसके साथ व्यापारिक हवाएं कमजोर पड़ सकती हैं और समुद्र की सतह का तापमान बढ़ने लगता है। समुद्र में होने वाले बदलावों को समझने के लिए वैज्ञानिक रडार अल्टीमीटर और अन्य उपग्रह उपकरणों का उपयोग करते हैं। ये समुद्र की सतह की ऊंचाई मापने में मदद करते हैं। तापमान संबंधी आंकड़ों और समुद्री संसेरों से मिले रिकॉर्ड को मिलाकर वैज्ञानिक यह समझने का प्रयास करते हैं कि गर्म पानी किस दिशा में बढ़ रहा है और उसका मौसम पर क्या प्रभाव पड़ सकता है।



हरे से नीला क्यों हुआ पानी

समुद्र में फाइटोप्लैंकटन नाम के सूक्ष्म प्रकाश संश्लेषी जीव खाद्य श्रृंखला का आधार होते हैं। ये सूर्य के प्रकाश की मदद से अपना भोजन बनाते हैं और अनेक समुद्री जीवों के लिए भोजन उपलब्ध कराते हैं। इनकी अधिकता से समुद्र के कुछ हिस्सों में पानी हरा दिखाई दे सकता है। अल नीनो के दौरान व्यापारिक हवाएं कमजोर पड़ने से गहरे समुद्र का ठंडा और पोषक तत्वों से भरपूर पानी सतह तक कम पहुंच सकता है। इससे फाइटोप्लैंकटन की वृद्धि प्रभावित होती है और कुछ क्षेत्रों में पानी का रंग अधिक नीला दिखाई देने लगता है। यदि इन जीवों की संख्या घटती है, तो मछलियों और अन्य समुद्री जीवों के भोजन पर भी असर पड़ सकता है। इससे मछुआरों की आजीविका प्रभावित होने की आशंका रहती है।

दुनिया के मौसम पर असर: अल नीनो का प्रभाव किसी एक देश या समुद्र तक सीमित नहीं रहता। यह वायुमंडल में गर्मी और नमी के वितरण को बदलकर दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में मौसम की परिस्थितियों को प्रभावित कर सकता है। कहीं बारिश बढ़ सकती है, तो कहीं सूखे और गर्मी की आशंका पैदा हो सकती है।

दिया कबीरा रोय

अंकित पांडे

युवा व्यंग्यकार

कभी महंगाई को डायन कहा जाता था। लोग उससे डरते थे, बचने के उपाय खोजते थे और सरकार से गुहार लगाते थे कि इस डायन से मुक्ति दिलाओ। लेकिन जमाना बदल गया है। महंगाई ने अपना रूप बदल लिया है। अब वह डायन नहीं रही, बाकायदा घर की मालकिन बन बैठी है। घर में किस दिन क्या बनेगा, कितना राशन आएगा, बच्चे कौन-से स्कूल में पढ़ेंगे और महीने के आखिर में बिजली का बिल कैसे भरेगा—सब फैसले उसी के होते हैं। कमाने वाला आदमी अब घर का मुखिया नहीं, महंगाई का आज्ञाकारी कर्मचारी बनकर रह गया है।

सुबह उठते ही घर में चाय बनती है, लेकिन चाय से पहले बजट उबलता है। दूध वाला दरवाजे पर आता है तो लगता है जैसे कोई बैंक का वसूली अधिकारी आ गया हो। सब्जी वाला भाव बताता है तो ग्राहक सब्जी नहीं, अपनी आर्थिक हैसियत तौलने लगता है। टमाटर खरीदते समय आदमी ऐसे सोचता है, जैसे शेयर बाजार में निवेश करने जा रहा हो। धनिया और मिर्च मुफ्त मांगने का पुराना अधिकार भी अब इतिहास की किताबों में दर्ज होने लायक हो गया है। दुकानदार की नजरों में ग्राहक की औकात उसके थैले से नहीं, उसकी भुगतान क्षमता से तय होती है। महंगाई की सबसे बड़ी खूबी यह है कि वह कभी अकेली नहीं

आती। पेट्रोल बढ़ता है तो सब्जी महंगी हो जाती है। सब्जी महंगी होती है तो रसोई का बजट बिगड़ता है। रसोई का बजट बिगड़ता है तो घर में बहस बढ़ती है। बिजली का बिल आता है तो चेहरे की रोशनी चली जाती है। ऊपर से स्कूल की फीस ऐसी कि बच्चे को पढ़ाने से पहले पिता को अपनी आर्थिक योग्यता की परीक्षा देनी पड़ती है। लगता है शिक्षा नहीं, भविष्य की किरसें खरीदी जा रही हैं। महंगाई का अर्थशास्त्र बड़ा निराला है। आमदनी बढ़े न बढ़े, खर्च को हर महीने पदोन्नति मिल जाती है। वेतनभोगी को साल में एक बार वेतनवृद्धि मिलती है, लेकिन बाजार रोज अपनी कीमतों में संशोधन कर लेता है।

सरकारी भाषणों में अर्थव्यवस्था की सेहत अच्छी बताई जाती है। विकास के आंकड़े मुस्कुराते हैं, योजनाएं दौड़ती हैं और उपलब्धियों के विज्ञापन चमकते हैं। मगर आम आदमी जब राशन की दुकान पर पहुंचता है तो उसे आंकड़ों से पेट भरने की कला नहीं आती। उसे बस इतना समझ आता है कि पहले जितने पैसों में हफ्ते भर का सामान आ जाता था, अब उतने में थैला भी पूरा नहीं भरता। विकास अगर हुआ है तो उसकी रफ्तार और घरेलू बजट की रफ्तार में तालमेल बैठाना मुश्किल हो गया है। महंगाई ने रिशतों की भाषा भी

हाल ही में वह भारत के एक गांव पहुंचे, जहां प्रमोद शर्मा ने उन्हें ग्रामीण जीवन और खेती-किसानी से जुड़े कामों से परिचित कराया। इस मुलाक़ात का वीडियो जर्मन दूतावास के आधिकारिक इंस्टाग्राम खाते @germanyinindia पर साझा किया गया है। वीडियो की शुरुआत में प्रमोद

शर्मा मारियस से मिलते हैं। बातचीत के दौरान वह बताते हैं कि उनके इलाके के लोग काम सीखने और नौकरी करने के लिए जर्मनी जाते हैं, जबकि मारियस जर्मनी से भारत आए हैं। वह मजाक में कहते हैं कि मारियस को ट्रक चलाना सिखाएंगे, लेकिन पहले यह देखना होगा कि

बदल दी है। पहले मेहमान आने पर घर में पकवान बनते थे, अब मेहमान आने से पहले खर्च का अनुमान लगाया जाता है। पहले बच्चे खिलौने मांगते थे, अब माता-पिता उन्हें समझाते हैं कि जरूरत और इच्छा में फर्क करना सीखो। बच्चे भी समझदार हो गए हैं। जन्मदिन पर महंगे उपहार मांगने के बजाय पूछ लेते हैं कि केक छोटा चलेगा क्या? यह बचपन की समझदारी नहीं, घर की आर्थिक परिस्थितियों का मौन पाठ है।

कबीर की उलटबांसी याद आती है - माया महाठगिनी हम जानौ। आज माया का नया रूप महंगाई है। फर्क इतना है कि पहले आदमी माया से बचने के लिए संसार छोड़ने की सोचता था, आज महंगाई से बचने के लिए बाजार जाना छोड़ने की सोचता है। लेकिन बाजार से बचकर भी कहां जाए? रोटी, कपड़ा, मकान, पढ़ाई, इलाज - जीवन की हर जरूरत उसी के दरवाजे पर खड़ी है।

महंगाई अब घर की मालकिन है और आम आदमी उसकी सेवा में लगा हुआ है। सवाल यह नहीं कि महीने का बजट कैसे बनेगा; सवाल यह है कि बजट में आदमी के लिए जीने की जगह कितनी बची है। क्योंकि जब पूरी कमाई जरूरतें पूरी करने में निकल जाए और छोटी-सी खुशी भी हिसाब मांगने लगे, तब समझिए कि महंगाई केवल जेब नहीं काट रही, जीवन का रस भी निचोड़ रही है। और ऐसे में कबीर का दिया सचमुच रो पड़ता है।

महंगाई डायन नहीं, अब घर की मालकिन है...

वह गांव में रह भी पाते हैं या नहीं। इसके बाद दोनों खेती-बाड़ी के काम में जुट जाते हैं। मारियस चारा काटने वाली मशीन चलाने में मदद करते हैं और पशुओं के लिए चारा तैयार करके उन्हें खिलाते हैं। गर्मी और मेहतत के बीच वह गमछे से पसीना पोंछते भी नजर आते हैं। उनके लिए यह अनुभव नया था, लेकिन उन्होंने ग्रामीणों के साथ काम करना जारी रखा। चारा काटने के बाद प्रमोद शर्मा उन्हें गाय का गोबर उठाकर बाहर डालने के लिए कहते हैं। मारियस पृष्ठते हैं कि क्या यह गंदा है। प्रमोद समझाते हैं कि इसमें गंदा मानने जैसी कोई बात नहीं है। इसके बाद मारियस अपने हाथों से गोबर उठाते हैं। काम पूरा होने पर उनके हाथ धुलवाए जाते हैं।

शारदीय नवरात्रि की अष्टमी केवल देवी की पूजा का दिन नहीं, बल्कि नारी शक्ति, आस्था, साहस और आत्मविश्वास के जागरण का पर्व है। मान्यता है कि इस दिन मां दुर्गा के महागौरी स्वरूप की आराधना करने से जीवन में सुख, शांति और सकारात्मकता आती है। यह अवसर याद दिलाता है कि शक्ति केवल बाहरी सामर्थ्य नहीं, बल्कि मन की दृढ़ता, विवेक, करुणा और अन्याय के विरुद्ध खड़े होने के साहस का नाम भी है।



आस्था से आत्मबल तक

अष्टमी का पर्व यह समझने का अवसर भी है कि आस्था का संबंध केवल मंदिर और पूजा स्थल से नहीं, बल्कि हमारे दैनिक आवरण से भी है। दूसरों के दुख को समझना, जरूरतमंद की मदद करना, परिवार में महिलाओं को सम्मान देना और समाज में समानता के लिए प्रयास करना देवी आराधना के मूल भाव को मजबूत करता है। शक्ति की उपासना हमें यह विश्वास देती है कि परिस्थितियां कितनी भी कठिन क्यों न हों, साहस और विवेक के सहारे उनका सामना किया जा सकता है। मां दुर्गा के विभिन्न स्वरूप शक्ति के अलग-अलग आयामों का प्रतीक हैं—कहीं करुणा, कहीं धैर्य, कहीं ज्ञान और कहीं अन्याय के विरुद्ध संघर्ष। अष्टमी इन सभी गुणों को अपने जीवन में अपनाने की प्रेरणा देती है।

व्रत, हवन और साधना

अष्टमी के दिन अनेक श्रद्धालु व्रत रखते हैं। कुछ लोग फलाहार करते हैं, जबकि कुछ अपनी क्षमता और पारिवारिक परंपरा के अनुसार उपवास रखते हैं। पूजा के बाद हवन और आरती की जाती है। दुर्गा सप्तशती के पाठ तथा देवी मंत्रों के जाप को भी विशेष महत्त्व दिया जाता है। मान्यता है कि इन अनुष्ठानों से मन एकाग्र होता है और साधक में सकारात्मक विचारों का संचार होता है।

धार्मिक अनुष्ठान करते समय स्वास्थ्य और अपनी शारीरिक क्षमता का ध्यान रखना भी आवश्यक है। व्रत का उद्देश्य श्रद्धा और आत्मसंयम है, शरीर को कष्ट देना नहीं। इसी तरह पूजा की भव्यता से अधिक महत्त्व मन की भावना, व्यवहार की शुद्धता और दूसरों के प्रति संवेदनशीलता का है।

परंपरा और परिवर्तन का संगम

शारदीय नवरात्रि की अष्टमी भारतीय संस्कृति में आस्था, परंपरा और सामूहिक उत्सव का महत्त्वपूर्ण अवसर है। मंदिरों में उमड़ती श्रद्धालुओं की भीड़, घरों में होती पूजा और कन्या पूजन की परंपरा समाज को सांस्कृतिक सूत्र में बांधती है। इस पर्व की सार्थकता तब और बढ़ जाती है, जब धार्मिक भावना जीवन में अच्छे बदलाव का आधार बनती है।

मां दुर्गा की आराधना का संदेश स्पष्ट है- शक्ति का उपयोग संरक्षण, न्याय और कल्याण के लिए होना चाहिए। अष्टमी पर देवी के सामने शीश झुकाना केवल आशीर्वाद मांगना नहीं, बल्कि अपने भीतर साहस, करुणा और विवेक जगाने का संकल्प भी है। यही शक्ति जागरण है और यही दुर्गाष्टमी का व्यापक आध्यात्मिक संदेश।

जीवन - ज्योति

अहंकार का विसर्जन ही आत्मा की शांति का मार्ग है

रमेश भाई ओझा

आध्यात्मिक गुरु



मनुष्य के जीवन में अशांति का एक बड़ा कारण अहंकार है। यह ऐसा अदृश्य बंधन है, जो मनुष्य को अपने ही भीतर कैद कर देता है। जहां अहंकार है, वहां अपनी बात मनवाने की जिद है, दूसरों से आगे निकलने की होड़ है और सम्मान पाने की निरंतर इच्छा है। मनुष्य चाहता है कि उसकी प्रशंसा हो, उसके विचार स्वीकार किए जाएं और उसके महत्व को सब मानें। लेकिन जब ऐसा नहीं होता, तब मन दुखी होता है। प्रश्न यह है कि जिस अहंकार को पकड़े रहने से दुख मिलता है, उसे छोड़ना इतना कठिन क्यों है? इसका कारण है कि मनुष्य ने अपने वास्तविक स्वरूप को अपनी पहचान, प्रतिष्ठा, उपलब्धियों और दूसरों की राय से जोड़ लिया है।

अहंकार का सूक्ष्म जाल: अहंकार केवल धन, पद या प्रतिष्ठा का घमंड नहीं है। कभी-कभी अपनी विनम्रता का अभिमान भी अहंकार बन जाता है। अपने त्याग, ज्ञान, भक्ति और अच्छे कर्मों का गर्व भी मनुष्य को दूसरों से अलग और श्रेष्ठ होने का अनुभव करा सकता है। अहंकार का स्वभाव बड़ा सूक्ष्म है। वह किसी न किसी रूप में अपने अस्तित्व को स्थापित करना चाहता है। जब कोई हमारी प्रशंसा करता है, तब मन प्रसन्न होता है और आलोचना करता है, तब मन विचलित हो जाता है। इसका अर्थ है कि मन की शांति दूसरों के व्यवहार पर निर्भर हो गई है। जो व्यक्ति अपनी प्रसन्नता की चाबी दूसरों के हाथ में दे देता है, वह भीतर से स्वतंत्र कैसे रह सकता है? आध्यात्मिक दृष्टि कहती है कि अपने भीतर झांकना आवश्यक है। दूसरों को बदलने की अपेक्षा अपने मन की प्रतिक्रिया को समझना अधिक महत्वपूर्ण है।

‘मैं’ से ही शुरू होता है संघर्ष: संसार में अधिकांश विवादों के पीछे ‘मैं’ और ‘मेरा’ का आग्रह दिखाई देता है। मेरी बात सही है, मेरा सम्मान होना चाहिए, मेरी इच्छा पूरी होनी चाहिए—ये विचार धीरे-धीरे मन में कड़ोता पैदा करते हैं। जब दो व्यक्ति अपनी-अपनी बात को ही अंतिम सत्य मान लेते हैं, तब संवाद समाप्त और संघर्ष आरंभ हो जाता है। अहंकार संबंधों में दूरी पैदा करता है। क्षमा मांगना छोटा होना लगता है और क्षमा करना अपनी हार स्वीकार करने जैसा दिखाई देता है। जबकि सच्चाई यह है कि अपनी भूल स्वीकार करने के लिए जितने साहस की आवश्यकता होती है, उतनी ही आवश्यकता दूसरों की भूल को क्षमा करने के लिए भी होती है। विनम्रता कमजोरी नहीं, बल्कि अपने मन पर विजय पाने की शक्ति है।

समर्पण का वास्तविक अर्थ

अहंकार छोड़ने का अर्थ अपने आत्मसम्मान को समाप्त करना या अन्याय के सामने चुप रहना नहीं है। इसका अर्थ है अपने उचित अधिकारों की रक्षा करते हुए भी मन में द्वेष और श्रेष्ठता का भाव न चालना। दृढ़ता और अहंकार में अंतर है। दृढ़ता सत्य के साथ खड़ी होती है, जबकि अहंकार अपनी बात को सत्य सिद्ध करने में लगा रहता है। समर्पण का अर्थ जीवन की प्रत्येक परिस्थिति को विवेक के साथ स्वीकार करना है। जो बदल सकता है, उसे बदलने का प्रयास करना और जो अपने वश में नहीं है, उसे लेकर निरंतर दुखी न रहना, यही आंतरिक संतुलन है। जब मनुष्य हर घटना को अपनी इच्छा के अनुसार मोड़ने का आग्रह छोड़ता है, तब उसके भीतर सहजता जन्म लेने लगती है। भक्ति का सार केवल पूजा, पाठ और अनुष्ठान तक सीमित नहीं है। भक्ति वह भाव है, जिसमें मनुष्य अपने सीमित अहंकार से ऊपर उठकर परमात्मा के प्रति प्रेम और विश्वास विकसित करता है। अहंकार को एक दिन में समाप्त नहीं किया जा सकता। इसके लिए निरंतर सजगता चाहिए। जब क्रोध आए, तब प्रतिक्रिया देने से पहले ठहरना; जब प्रशंसा मिले, तब विनम्र बने रहना; जब आलोचना हो, तब उसमें छिपे सत्य को खोजने का प्रयास करना और जब गलती हो, तब उसे स्वीकार कर लेना, ये छोटे अभ्यास भीतर बड़ा परिवर्तन ला सकते हैं।

न्यूज विंडो

मजदूरों की जान जोखिम में डालने पर कार्रवाई, पुलिस ने जब्त कीं दो पिकअप



तेंदूखेड़ा। मालवाहक वाहनों में मजदूरों को बैठाकर ले जाने के खिलाफ तारादेही पुलिस ने वाहन चेकिंग अभियान चलाकर दो पिकअप वाहन जब्त किए। दोनों वाहनों में क्षमता से अधिक मजदूरों को बैठाकर ले जाया जा रहा था, जो मोटर वाहन अधिनियम का उल्लंघन है। पुलिस अधीक्षक दमोह आनंद कलादगी के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुजीत सिंह भदौरिया के मार्गदर्शन और एसडीओपी अर्चना अहीर के नेतृत्व में थाना प्रभारी आलोक तिरपुड़े ने यह कार्रवाई की। पुलिस ने मजदूरों को वाहनों से उतारकर दूसरे वाहन से उनके गंतव्य तक पहुंचाया और दोनों पिकअप थाना परिसर में खड़े करवाए। थाना प्रभारी के अनुसार, एक दिन पहले ही चालकों को नियमों का पालन करने की समझाइश दी गई थी। इसके बावजूद उल्लंघन जारी रहने पर कार्रवाई की गई। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि पिकअप, ट्रैक्टर-ट्रॉली सहित मालवाहक वाहनों में बैठकर यात्रा न करें, क्योंकि इससे दुर्घटना की स्थिति में गंभीर जोखिम हो सकता है।

बुधनी बायपास पर डंपर की टक्कर से श्रद्धालुओं से भरा वाहन पलटा, महिला की मौत



सीहोर/बुधनी। सलकनपुर स्थित मां विजयासन देवी धाम से दर्शन कर लौट रहे श्रद्धालुओं की ट्रैक्टर-ट्रॉली को बुधनी बायपास पर तेज रफ्तार डंपर ने टक्कर मार दी। टक्कर से ट्रॉली पलट गई। हादसे में खपरिया निवासी भूरी केवट की मौत हो गई, जबकि बच्चों और महिलाओं सहित करीब दो दर्जन श्रद्धालु घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। राहगीरों और स्थानीय लोगों ने पुलिस की मदद से घायलों को बुधनी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद आठ गंभीर घायलों को बेहतर इलाज के लिए नर्मदापुरम जिला अस्पताल रेफर किया गया। सभी श्रद्धालु रायसेन जिले के गैरतगंज तहसील के ग्राम खपरिया निवासी बताए गए हैं। वे दर्शन के बाद ट्रैक्टर-ट्रॉली से गांव लौट रहे थे। पुलिस ने डंपर कब्जे में लेकर प्रकरण दर्ज किया है और हादसे की जांच शुरू कर दी है।

सेवा संकल्प अभियान में विद्यार्थियों को बताए योजनाओं से आगे बढ़ने के रास्ते



तेंदूखेड़ा। शासकीय महाविद्यालय तेंदूखेड़ा में सेवा संकल्प अभियान 2026 का समापन हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य शंकर सिंह ठाकुर ने की। समारोह में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं, उपलब्ध सुविधाओं और सामाजिक समस्याओं के निराकरण की जानकारी दी गई। अभियान के दौरान महाविद्यालय स्तर पर जागरूकता गतिविधियों और शिविरों के माध्यम से समस्याओं की पहचान कर उनके समाधान के प्रयास किए गए। डॉ. एनके निकोसे ने विद्यार्थियों से जागरूकता कार्यक्रमों में भाग लेने और सरकारी योजनाओं का लाभ उठाकर अपना भविष्य बेहतर बनाने का आह्वान किया। प्राचार्य शंकर सिंह ठाकुर ने भी योजनाओं की जानकारी देते हुए पात्रता के अनुसार लाभ लेने की अपील की। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुनील गिरी ने किया।

मूंगफली के दाम 7 हजार से घटकर 6 हजार हुए, किसानों ने किया चक्काजाम



करैरा-शिवपुरी। मूंगफली के दामों में अचानक गिरावट से नाराज किसानों ने करैरा कृषि उपज मंडी के बाहर चक्काजाम कर प्रदर्शन किया। किसानों का आरोप है कि दो दिन पहले तक मूंगफली 7 हजार रुपये प्रति क्विंटल तक बिक रही थी, लेकिन अब व्यापारी 6 हजार रुपये से अधिक भाव देने को तैयार नहीं हैं। किसानों ने कहा कि अचानक कीमतें घटने से उन्हें उपज का उचित मूल्य नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि मूंगफली की खरीदी मंडी के बजाय निजी गोदामों में की जा रही है। किसानों ने उचित भाव पर खरीदी सुनिश्चित करने और दामों में गिरावट की स्थिति स्पष्ट करने की मांग की। चक्काजाम की सूचना मिलने पर करैरा एसडीएम अनुपम शर्मा मौके पर पहुंचे। प्रशासन ने किसानों की नाराजगी और उनकी मांगों को समझने का प्रयास किया।



ग्रामीणों ने वनरक्षक पर लगाए गंभीर आरोप, अधिकारियों ने जांच का दिया आश्वासन झलौन की डुकरसता बीट में सागौन की कटाई, वन अमले पर लग रहे आरोप



तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

झलौन वन परिक्षेत्र की डुकरसता बीट में सागौन के पेड़ों की कथित अवैध कटाई का मामला सामने आया है। ग्रामीणों का आरोप है कि पिछले दो-तीन दिनों में जंगल में बड़ी संख्या में सागौन के पेड़ काटे गए हैं। इससे वन विभाग की निगरानी व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं।

ग्रामीण मुन्ना सिंह और खुमान सिंह ने वनरक्षक बृजेश राठौर पर कटाई में कथित मिलीभगत के आरोप लगाए हैं। उनका दावा है कि वनरक्षक पहले संग्रामपुर में पदस्थ रहते हुए निलंबित हुआ था और बाद में बहाल किया गया। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

ग्रामीणों ने निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है। वन परिक्षेत्र अधिकारी सतीश मसीह ने जांच दल गठित करने की बात कही। तेंदूखेड़ा एसडीओ प्रतीक दुबे ने वन उड़नदस्ता टीम से निरीक्षण कराने का आश्वासन दिया। वनमंडल अधिकारी ईश्वर जलांडे ने कहा कि जांच में दोषी मिलने वालों पर नियमानुसार कार्रवाई होगी।

दूठ और लकड़ियों से कटाई का दावा, ग्रामीणों ने मांगी निगरानी

ग्रामीणों के अनुसार, डुकरसता बीट में कटे हुए सागौन के पेड़ों के दूठ और लकड़ियां मौजूद हैं।



उनका आरोप है कि क्षेत्र में लगातार अवैध कटाई हो रही है और समय रहते निगरानी नहीं बढ़ाई गई तो जंगल को और नुकसान पहुंच सकता है। ग्रामीणों ने

वन विभाग से पूरे क्षेत्र का निरीक्षण कराने, काटे गए पेड़ों की संख्या का आकलन करने और जिम्मेदार लोगों की पहचान करने की मांग की है। जांच के बाद ही कटाई की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

अधिकारी बोले- जांच होगी

मामले में झलौन के वन परिक्षेत्र अधिकारी सतीश मसीह ने रविवार को टीम गठित कर जांच कराने की बात कही है। तेंदूखेड़ा के एसडीओ प्रतीक दुबे के अनुसार, वन उड़नदस्ता टीम से पूरी बीट का निरीक्षण कराया जाएगा। वहीं, दमोह के वनमंडल अधिकारी ईश्वर जलांडे ने मामले को दिखवाने और जांच में दोषी पाए जाने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई का आश्वासन दिया है। अब जांच रिपोर्ट से कटाई की वास्तविक स्थिति और जिम्मेदारी तय होने की उम्मीद है।

नवरात्रि में घर में शव लाने से इनकार अस्पताल के बाहर सजाई गई अर्थी



गुना। दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश के गुना में एक संवेदनशील मामला सामने आया, जहां 31 वर्षीय पूजा रजक की मौत के बाद परिजनों को कथित तौर पर मकान मालिक ने नवरात्रि का हवाला देकर शव घर लाने से रोक दिया। इसके बाद परिवार को अस्पताल के बाहर ही अंतिम यात्रा की तैयारी करनी पड़ी। पूजा कैन्सर से पीड़ित थीं। वह अपने पिता पहलवान रजक और तीन बच्चों के साथ किए के मकान में रहती थीं। बीमारी के दौरान पति ने उसे छोड़कर दूसरी शादी कर ली थी। हालत बिगड़ने

पर पूजा को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। परजन आर्थिक तंगी के बीच उसे भोपाल इलाज के लिए ले जाना चाहते थे। सामाजिक कार्यकर्ता प्रमोद भार्गव की सूचना पर कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल ने आर्थिक मदद भी की, लेकिन रास्ते में पूजा की मौत हो गई। इसके बाद अस्पताल के बाहर शादी के जोड़े में अर्थी सजाई गई और अंतिम यात्रा बूढ़े बालाजी मुक्तिधाम पहुंची। वहां पूजा के बेटे ने मुखाग्नि दी। घटना ने परिवार की कठिन परिस्थितियों और अंतिम समय में मिली परेशानियों को उजागर किया।

पिकअप में मिलीं दो भैंसें, रास्ता रोकने के लिए सड़क पर खड़े किए ट्रैक्टर भैंस चोरों का ग्रामीणों ने किया पीछा, पुलिसा से नीचे गिरी कार, सात संदिग्ध पकड़े गए

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

थाना क्षेत्र के दोनी गांव में भैंस चोरी के मामले में ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए सात संदिग्धों को पकड़कर पुलिस के हवाले किया। शनिवार की दरम्यानी रात दो भैंसों को पिकअप में भरकर ले जा रहे लोगों का ग्रामीणों ने पीछा किया। इस दौरान पिकअप के साथ चल रही

स्विफ्ट कार दोनी गांव में एक पुलिसा से नीचे गिर गई। पिकअप से चोरी की दो भैंसें बरामद हुई हैं। दोनी निवासी चंदन यादव के अनुसार, शुक्रवार सुबह उनकी चार भैंसें चरने जंगल गई थीं, लेकिन शाम तक वापस नहीं लौटीं। शनिवार तड़के करीब तीन बजे सूचना मिली कि दो भैंसों को पिकअप में ले जाया जा रहा है और आगे एक कार चल रही है। ग्रामीणों ने वाहनों का पीछा



शुरू कर पुलिस को सूचना दी। भैंसाघाट मार्ग पर पुलिस की घेराबंदी के बाद संदिग्ध तिलगवां की ओर भागे। वहां ग्रामीणों ने सड़क पर ट्रैक्टर खड़े कर रास्ता रोक दिया। इसके बाद पिकअप छोड़कर ढाबे पहुंचे चार संदिग्धों को पकड़ लिया गया। इसी बीच रास्ता बंद देखकर कार सवार दोनी की ओर लौटे, लेकिन कार अनियंत्रित होकर पुलिसा से नीचे गिर गई। ग्रामीणों ने कार

सवारों को भी पकड़ लिया। ग्रामीणों के अनुसार, कुल सात संदिग्ध पकड़े गए हैं, जिनमें चार सिग्रामपुर चौकी और तीन तेंदूखेड़ा थाना क्षेत्र में पकड़े जाने की जानकारी है। आरोपियों द्वारा पूरेन यादव के हाथ में धारदार हथियार से चोट पहुंचाने की सूचना भी सामने आई है। पुलिस संदिग्धों से पूछताछ कर रही है। मामले में आधिकारिक पुष्टि और आगे की कार्रवाई का इंतजार है।

मेट्रो एंकर रामलीला के दूसरे दिन उमड़ी भीड़, कलाकारों के भावपूर्ण अभिनय ने दर्शकों को किया भाव-विभोर

शिवधनुष टूटते ही गूंजे जय श्रीराम के जयकारे, राम-विवाह ने बांधा समां

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नगर के पीडब्ल्यूडी मैदान में संस्कृति विभाग के तत्वावधान में आयोजित पांच दिवसीय श्रीरामलीला उत्सव के दूसरे दिन धनुष यज्ञ, श्रीराम विवाह, वनगमन और केवट प्रसंग का भावपूर्ण मंचन किया गया। बाहरी कलाकारों ने प्रभावशाली संवादों और शानदार अभिनय से श्रीराम कथा के प्रसंगों को जीवंत कर दिया। रामलीला देखने नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे।

कार्यक्रम की शुरुआत राजा जनक के दरबार में आयोजित धनुष यज्ञ से हुई। भगवान श्रीराम द्वारा शिव धनुष उठाकर भंग करने का दृश्य देखकर मैदान जय श्रीराम के जयकारों से गूंज उठा। इसके बाद



श्रीराम और माता सीता के विवाह का मंचन हुआ। इस प्रसंग ने पूरे मैदान को भक्तिमय वातावरण से सराबोर कर दिया। अगले दृश्य में राजा दशरथ की विवशता, माता कैकेयी के वरदान और भगवान श्रीराम के वनगमन की कथा प्रस्तुत

की गई। कलाकारों ने इस प्रसंग को मार्मिक अंदाज में मंचित कर दर्शकों को भावुक कर दिया। इसके बाद गंगा तट पर केवट द्वारा श्रीराम, लक्ष्मण और माता सीता को नाव से नदी पार कराने का प्रसंग दिखाया गया, जिसने दर्शकों का मन मोह



लिया। कार्यक्रम में एसडीएम सीजी गोस्वामी, नगर पंचायत अध्यक्ष सुरेश जैन, भाजपा मंडल अध्यक्ष संत कुमार पाल और सांसद प्रतिनिधि ठाकुर मूरत सिंह सहित जनप्रतिनिधि व श्रद्धालु उपस्थित रहे। नगर पंचायत अध्यक्ष ने कहा

कि रामलीला जैसे आयोजन भारतीय संस्कृति और परंपराओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। आयोजकों के अनुसार, रामलीला उत्सव 15 से 19 अक्टूबर तक प्रतिदिन शाम सात बजे आयोजित किया जा रहा है।

अष्टमी पर मां शीतला के दरबार में उमड़ा आस्था का सैलाब, सजावट ने मोह मन

गंजबासोदा। शास्त्रीय नवरात्र की अष्टमी पर शहर के प्रसिद्ध मां शीतला शक्ति धाम में श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत नजारा देखने को मिला। मंदिर की आकर्षक सजावट श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण रही। सुबह से ही मां के दर्शन और पूजन के लिए भक्तों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया, जो देर तक जारी रहा। नवरात्र के आठवें दिन मां महागौरी की आराधना कर श्रद्धालुओं ने परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। मंदिर परिसर में गूंजते जयकारों और भक्तिमय वातावरण ने धार्मिक उत्साह को और बढ़ा दिया। नौ दिनों तक धाम में श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रहती है।

मूल राजस्व रिकॉर्ड पेश नहीं करने समन की अनदेखी का मामला

राशन घोटाले में हरदा एसडीएम के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी 3 नवंबर को अभिलेखों सहित पेश करने के निर्देश



हरदा। दोपहर मेट्रो

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अरविंद रघुवंशी ने न्यायालय के आदेश की अवहेलना और मूल राजस्व रिकॉर्ड प्रस्तुत नहीं करने पर हरदा एसडीएम के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। थाना प्रभारी को निर्देश दिए गए हैं कि अधिकारी को गिरफ्तार कर मूल अभिलेखों सहित 3 नवंबर को न्यायालय में पेश करें।

मामला शासन विरुद्ध धीरज तोमर से जुड़ा है। नयापुरा की शासकीय उचित मूल्य दुकान में राशन वितरण की कथित अनियमितताओं को लेकर विद्रोह के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज हुई थी। शिकायत के अनुसार, गेहूं, चावल, नमक, चीनी और कerosin के वितरण में 7 लाख 4 हजार 445 रुपये की गड़बड़ी का आरोप है। मामले की सुनवाई जारी है।

न्यूज विंडो

सागर : कहीं मां दुर्गा-सरस्वती के दर्शन तो कहीं श्रद्धालुओं को दिखते हैं नौ स्वरूप



सागर। शारदीय नवरात्रि पर सागर और आसपास के क्षेत्रों में देवी आराधना के अनूठे स्वरूप श्रद्धालुओं को आकर्षित कर रहे हैं। कहीं मां सरस्वती के साथ मां दुर्गा के दर्शन हो रहे हैं, तो कहीं देवी के नौ स्वरूप एक ही प्रतिमा में देखने को मिल रहे हैं। इतवारा बाजार स्थित प्रसिद्ध मां सरस्वती मंदिर बुंदेलखंड में अपनी उत्तरमुखी आदमकद प्रतिमा के लिए विशेष पहचान रखता है। नवरात्रि में यहां मां सरस्वती के साथ मां दुर्गा के दर्शन के लिए श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। पंडित यशोवर्धन चौबे के मार्गदर्शन में पूजा-अर्चना की जा रही है। रहली विधानसभा क्षेत्र के ग्राम रानगिर में विराजमान मां हरसिद्धि की भी विशेष मान्यता है। मान्यता के अनुसार, माता सुबह कन्या, दोपहर में युवती और रात में वृद्ध स्वरूप में दर्शन देती हैं। वहीं, मोहन नगर वार्ड में आयोजित भैया जी वैद्य काली महोत्सव में मां दुर्गा की प्रतिमा पर देवी के नौ स्वरूपों के दर्शन होते हैं। यह महोत्सव इस वर्ष 118वें वर्ष में प्रवेश कर चुका है। दशहरे पर मां की प्रतिमा कंधों पर लेकर विसर्जन यात्रा निकाली जाती है, जिसमें ज्वाला माई मशालों के रूप में आगे चलती हैं।

विद्यार्थियों की मांग पर हरकत में आया प्रशासन पीजी कॉलेज में इंडोर स्टेडियम की उम्मीद जगी



नरसिंहपुर। शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय (पीजी कॉलेज) में इंडोर स्टेडियम निर्माण की मांग अब आगे बढ़ने की उम्मीद जगी है। विद्यार्थियों ने 5 सितंबर को कैबिनेट मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल को मांग पत्र सौंपकर कॉलेज परिसर में इंडोर स्टेडियम बनाने की मांग की थी। इसके बाद मंत्री की ओर से संबंधित विभाग को पत्र जारी किया गया है और जल्द कार्रवाई की बात कही गई है। विद्यार्थियों का कहना है कि इंडोर स्टेडियम बनने से उन्हें बैडमिंटन, टेबल टेनिस सहित अन्य खेलों के अभ्यास के लिए बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। साथ ही मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों में भी खेल गतिविधियां जारी रखी जा सकेंगी। इससे कॉलेज के विद्यार्थियों के साथ क्षेत्र के युवा खिलाड़ियों को भी अपनी प्रतिभा निखारने का अवसर मिलेगा। विधायक मीडिया प्रभारी वैभव नेमा ने बताया कि मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल और पूर्व राज्यमंत्री प्रालम सिंह पटेल जिले में खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने के प्रयास कर रहे हैं। अब विद्यार्थियों को स्टेडियम निर्माण की प्रक्रिया आगे बढ़ने और मांग पूरी होने का इंतजार है।

साक्षरता केंद्रों से गांवों तक पहुंची योजनाएं पात्र हितग्राहियों को किया जागरूक



नरसिंहपुर। सेवा संकल्प अभियान के तहत जनपद शिक्षा केंद्र नरसिंहपुर के सामाजिक चेतना केंद्रों और विद्यालयों में जनकल्याणकारी योजनाओं को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। कलेक्टर रजनी सिंह के निर्देशन और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी गजेन्द्र सिंह नागेश के मार्गदर्शन में अक्षरसाधियों एवं नोडल अधिकारियों ने विद्यार्थियों, असाक्षरों, नवसाक्षरों और ग्रामीण नागरिकों को योजनाओं की जानकारी दी। नयाखेड़ा गरगटा स्थित शासकीय हाईस्कूल, पीएम श्री महारानी लक्ष्मीबाई कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, शासकीय प्राथमिक शाला इमलिया और माध्यमिक शाला देवरीकला सहित विभिन्न संस्थानों में कार्यक्रम हुए। इस दौरान प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, आयुष्मान भारत, उज्ज्वला, आवास, जनधन और सुकन्या समृद्धि योजना के साथ मुख्यमंत्री लाड़ली बहना, लाड़ली लक्ष्मी, किसान कल्याण और सबल योजना की जानकारी दी गई। छात्रवृत्ति, महिला एवं श्रमिक कल्याण योजनाओं के बारे में भी बताया गया।

मेट्रो एंकर दो दिवसीय आयोजन में मातृशक्ति और विद्यार्थियों ने की शक्ति आराधना

गरबा-डांडिया की मनमोहक प्रस्तुतियों से गूंजा एमआईएमटी कॉलेज

नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो

शारदेय नवरात्रि के पावन अवसर पर एमआईएमटी कॉलेज में आयोजित दो दिवसीय 'अंतर्नाद 2026 डांडिया नाइट 2.0' गरबा महोत्सव में धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक उत्सास का अनूठा संगम देखने को मिला। गरबा और डांडिया की मनमोहक प्रस्तुतियों ने उपस्थित दर्शकों का मन मोह लिया।

एमआईएमटी कॉलेज, ए एंड आर कंस्ट्रक्शन अक्षरधाम, कृष्ण अवतार फाउंडेशन और नरसिंहपुर लाइव के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के पूजन और आरती के साथ हुआ। आयोजन में कॉलेज के मार्गदर्शक पं. मैथिलीशरण तिवारी,



श्रीमती प्रतिमा तिवारी, श्रीमती कृष्णा तिवारी, डॉ. स्वाति चांदोरकर, श्रीमती संध्या कोठारी, सुश्री प्रतिज्ञा परिहार, खुमान सिंह पटेल, देवेन्द्र प्रताप सिंह चौहान,

दोपहर मेट्रो

महफूज ने ‘मयंक’ बनकर युवतियों को फंसाया, दो मामले दर्ज

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म, पॉक्सो सहित गंभीर धाराएं भी, मोबाइल में मिले आपत्तिजनक फोटो-वीडियो की जांच कर रही पुलिस



पीथमपुर/धार। दोपहर मेट्रो

धार जिले की औद्योगिक नगरी पीथमपुर में सोशल मीडिया पर कथित तौर पर पहचान छिपाकर युवतियों से दोस्ती करने और शादी का झांसा देकर दुष्कर्म के दो मामले सामने आए हैं। सेक्टर-1 थाना पुलिस ने करीब 17 वर्षीय आरोपी महफूज लाला के खिलाफ अलग-अलग प्रकरण दर्ज किए हैं।

पुलिस के अनुसार, आरोपी पर इंस्टाग्राम पर मयंक नाम से पहचान बनाकर युवतियों से संपर्क करने का आरोप है। एक शिकायत के मुताबिक, करीब दो साल पहले युवती से दोस्ती के

बाद आरोपी ने शादी का झांसा देकर उसके साथ कई बार शारीरिक संबंध बनाए। दूसरे मामले में आरोपी एक नाबालिग युवती से मिलने उसके घर पहुंचा, जहां परिजनों ने उसे पकड़ लिया। पृष्ठताछ में उसकी पहचान सामने आई। मोबाइल की जांच में दूसरी युवती के कथित आपत्तिजनक फोटो भी मिले। पुलिस ने नाबालिग से जुड़े मामले में पॉक्सो सहित अन्य धाराओं और दूसरे मामले में एससी-एसटी अधिनियम सहित संबंधित प्रावधानों के तहत केस दर्ज किए हैं। एडिशनल एसपी पारुल बेलापुरकर के अनुसार, दोनों मामलों की जांच जारी है।

मारपीट भी की

पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने इंस्टाग्राम पर मयंक नाम से युवतियों से दोस्ती की। आरोपी के मोबाइल में आपत्तिजनक फोटो और वीडियो होने की बात भी सामने आई है। दूसरे मामले में इंस्टाग्राम खाते पर अलग नाम दिखाई देने के बाद युवती ने आरोपी की पहचान को लेकर सवाल किया। शिकायत के अनुसार, इसके बाद आरोपी ने उसके साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। पुलिस सोशल मीडिया खातों, मोबाइल और अन्य साक्ष्यों की जांच कर रही है।

जांच जारी है

पीथमपुर के सेक्टर-1 थाना पुलिस ने दोनों शिकायतों के आधार पर अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज की हैं। पॉक्सो अधिनियम और मध्यप्रदेश धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम सहित संबंधित धाराएं लगाई गई हैं। एडिशनल एसपी पारुल बेलापुरकर ने बताया कि शिकायतों के आधार पर प्रकरण दर्ज कर जांच की जा रही है। पुलिस कथित घटनाओं से जुड़े तथ्यों और साक्ष्यों की पड़ताल कर नियमानुसार आगे की कार्रवाई करेगी।

ऑपरेशन प्रहार के तहत मनावर पुलिस की एक साथ तीन खेतों में दबिश

कपास-तुअर की आड़ में गांजे का ‘हरा कारोबार’, 2.43 करोड़ की फसल जब्त

धार। दोपहर मेट्रो

जिले में मादक पदार्थों की अवैध खेती के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन प्रहार के तहत मनावर पुलिस ने ग्राम बोहारला में बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने कपास और तुअर की फसल की आड़ में उगाए जा रहे गांजे के 1,223 हरे पौधे जब्त किए हैं। इनका कुल वजन 1,621.98 किलोग्राम यानी करीब 16.22 क्विंटल है। जब्त फसल का अनुमानित बाजार मूल्य 2 करोड़ 43 लाख रुपये बताया गया है। कार्रवाई के दौरान तीनों खेतों के मालिक फरार हो गए, जिनकी तलाश की जा रही है।

पुलिस के अनुसार, 16 अक्टूबर को मुखबिर से सूचना मिली थी कि बोहारला गांव के तीन खेतों में कपास की फसल के बीच गांजे के पौधे उगाए जा रहे हैं। सूचना की पुष्टि के बाद थाना प्रभारी राजेश यादव के नेतृत्व में तीन पुलिस टीमों ने एक साथ दबिश दी। कार्रवाई में नारायण पिता प्रताप भिलाला के खेत से 440 पौधे, जिनका वजन 705.75 किलोग्राम था, जब्त



पुलिस ने 1,223 गांजे के पौधे किए जब्त

मनावर पुलिस की कार्रवाई में ग्राम बोहारला के तीन खेतों से गांजे के कुल 1,223 पौधे जब्त किए गए। पुलिस के अनुसार, नारायण पिता प्रताप भिलाला के खेत से 440 पौधे, जिनका वजन 705.75 किलोग्राम था, मिले। मुलवंद पिता अर्जुन कनेल भिलाला के खेत से 568 पौधे और 763.58 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। तीसरे खेत से रतन पिता रूपसिंह भिलाला के 215 पौधे जब्त किए गए, जिनका वजन 152.65 किलोग्राम था। तीनों खेतों से बरामद फसल का कुल वजन 1,621.98 किलोग्राम है। इसका अनुमानित बाजार मूल्य करीब 2 करोड़ 43 लाख रुपये बताया गया है। तीनों खेतों के मालिक कार्रवाई के दौरान फरार हो गए।

किए गए। मुलवंद पिता अर्जुन कनेल भिलाला के खेत से 568 पौधे और 763.58 किलोग्राम गांजा मिला। वहीं, रतन पिता रूपसिंह भिलाला के खेत से 215 पौधे, वजन 152.65 किलोग्राम, बरामद किए गए। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस अधिनियम की धारा 8/20 के

तहत अलग-अलग प्रकरण दर्ज किए हैं। पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा के निर्देश पर हुई इस कार्रवाई में मनावर पुलिस और साइबर सेल की टीम शामिल रही। अब पुलिस आरोपियों की तलाश के साथ गांजे की खेती और संभावित आपूर्ति नेटवर्क की भी जांच कर रही है।

आरोपियों और नेटवर्क की तलाश

गांजे की अवैध खेती का खुलासा होने के बाद मनावर थाना पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ अपराध क्रमांक 729/2026, 730/2026 और 731/2026 दर्ज किए हैं। सभी मामलों में एनडीपीएस अधिनियम की धारा 8/20 के तहत कार्रवाई की गई है। पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय डावर और एसडीओपी मनावर प्रदीप वाल्टर के मार्गदर्शन में अभियान चलाया गया। थाना प्रभारी राजेश यादव के नेतृत्व में पुलिस की तीन टीमों ने खेतों में दबिश दी। कार्रवाई में साइबर सेल की टीम ने भी सहयोग किया। पुलिस अब फरार आरोपियों की तलाश कर रही है। साथ ही यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि गांजे की खेती किस उद्देश्य से की जा रही थी और इसके पीछे कोई आपूर्ति नेटवर्क सक्रिय है या नहीं।

होटल के कमरे में बारूद का भंडार, बिना लाइसेंस रखे थे 2.80 लाख के पटाखे

इंदौर-अहमदाबाद फोरलेन पर पुलिस की दबिश, 9 क्विंटल पटाखे जब्त

धार। दोपहर मेट्रो

जिले में अवैध रूप से पटाखों के भंडारण और बिक्री का मामला सामने आया है। इंदौर-अहमदाबाद फोरलेन स्थित एक होटल पर छापा मारकर राजगढ़ थाना पुलिस ने करीब 9 क्विंटल पटाखे जब्त किए हैं। जब्त पटाखों की अनुमानित कीमत 2 लाख 80 हजार रुपये बताई गई है। पुलिस के अनुसार, होटल के एक कमरे में बिना वैध लाइसेंस के पटाखे रखे गए थे।

पुलिस को होटल में पटाखों का भंडारण होने की सूचना मिली थी। इसके बाद टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की। इस दौरान कमरे में रखे 50 कार्टन पटाखे बरामद हुए। होटल संचालक विकास सोलंकी (30), पिता मोहनलाल सोलंकी से पटाखों के भंडारण और बिक्री संबंधी लाइसेंस व अन्य दस्तावेज मांगे गए, लेकिन वह



कोई वैध कागजात प्रस्तुत नहीं कर सका। जांच में सुरक्षा व्यवस्था की भी गंभीर कमी सामने आई। कमरे में आग बुझाने के लिए अग्निशामक यंत्र नहीं मिला। इसके अलावा पानी और रेत जैसी प्राथमिक सुरक्षा व्यवस्था भी नहीं थी। ऐसे में पटाखों का भंडारण आग लगने की स्थिति में बड़ा खतरा पैदा कर सकता था।

पुलिस ने सभी पटाखे जब्त कर होटल संचालक के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और विस्फोटक अधिनियम के संबंधित प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया है। अब पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि पटाखे कहाँ से लाए गए थे और इस कारोबार में अन्य लोग भी शामिल हैं या नहीं। मामले की जांच जारी है।

खड़ेश्वरी बाबा हत्याकांड: नरेंद्र गिरि को उम्रकैद, 10 हजार का जुर्माना

राजेंद्रग्राम की अदालत ने सुनाया फैसला

अनूपपुर/राजेंद्रग्राम। दोपहर मेट्रो खड़ेश्वरी बाबा उर्फ भोला गिरि हत्याकांड में अतिरिक्त सत्र न्यायालय, राजेंद्रग्राम ने नरेंद्र गिरि उर्फ वीरेंद्र सिंह खड़ेत को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) के तहत दोषी ठहराते हुए 10 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया। जुर्माना अदा नहीं करने पर एक वर्ष का अतिरिक्त कठोर कारावास भुगतना होगा। फैसला 13 अक्टूबर 2026 को सुनाया गया।

मामला राजेंद्रग्राम थाना क्षेत्र के ग्राम चचांडीह/गढ़ीदादर स्थित शिवडाबा आश्रम का है। अभियोजन के अनुसार, 7 अगस्त 2024 की रात से 8 अगस्त की शाम के बीच खड़ेश्वरी बाबा की गला दबाने से

मृत्यु हुई थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और चिकित्सक की गवाही में मृत्यु का कारण श्वासरोध बताया गया। सुनवाई के दौरान अभियोजन ने गवाहों के बयान, आरोपी की आश्रम में मौजूदगी और मृतक के साथ विवाद से जुड़े तथ्यों को परिस्थितिजन्य साक्ष्य के रूप में प्रस्तुत किया। किसी गवाह ने हत्या को प्रत्यक्ष रूप से देखने की बात नहीं कही। अदालत ने उपलब्ध साक्ष्यों की समग्र कड़ी के आधार पर आरोपी को दोषी माना। बचाव पक्ष ने स्पष्ट उद्देश्य साबित नहीं होने सहित अन्य दलीलें रखीं, लेकिन अदालत ने उन्हें दोषमुक्त के लिए पर्याप्त नहीं माना।

अदालत ने मृत्युदंड के बजाय आजीवन कारावास उचित माना। आरोपी की 30 अक्टूबर 2024 से 5 मई 2025 तक की न्यायिक अभिरक्षा अवधि को सजा में समायोजित करने का निर्देश भी दिया।

त्योहारों से पहले खाद्य विभाग का छापा, 4 दुकानों से लिए 6 नमूने जांच के लिए भेजे

धार। दोपहर मेट्रो

त्योहारों के दौरान मिलावट पर लागू लगाने के लिए खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने जिले में जांच अभियान तेज कर दिया है। शनिवार को खाद्य सुरक्षा अधिकारी सुभाष खड़कर ने चार दुकानों का निरीक्षण कर छह खाद्य पदार्थों के नमूने लिए। सभी नमूने जांच के लिए राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला, भोपाल भेजे गए हैं।

कार्रवाई के दौरान बाग स्थित कृष्णा दूध डेयरी से सी और मावे के नमूने लिए गए। डही की ताहरी किराना दुकान से गुलाब जामुन मिश्रण का नमूना लिया गया। यहां वैध प्रयोजन नहीं मिलने पर प्रकरण भी बनाया गया। डही बस स्टैंड स्थित कुबेर ट्रेड्स से फरियाली भगर और साबूदाना के नमूने लिए गए।



वहीं, पीथमपुर के संजय जलाशय रोड स्थित लक्ष्मी किराना एंड जनरल स्टोर से शिकायत के आधार पर पांडव गोल्ड आटे का नमूना लिया गया। कलेक्टर राजीव रंजन मीणा

के निर्देश पर हुई कार्रवाई में विभाग ने स्पष्ट किया कि जांच रिपोर्ट आने के बाद नियमानुसार कार्रवाई होगी। त्योहारों तक निरीक्षण अभियान जारी रहेगा।

आईपीएल 2027: गोवा में आयोजन की संभावना

दिसम्बर के दूसरे सप्ताह में हो सकती है खिलाड़ियों के लिए मिनी निलामी

नई दिल्ली, एजेंसी
इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2027 के लिए मिनी नीलामी का आयोजन 16 दिसंबर को गोवा में होने की संभावना है। हालांकि, टीम मालिकों और सीईओ को अभी तक ई-मेल के जरिए कोई औपचारिक सूचना नहीं भेजी गई है, लेकिन कई टीमों और ब्रांडकास्ट से जुड़े स्रोतों ने पुष्टि की है कि नीलामी 16 दिसंबर को होने की संभावना है। यह भी पता चला है कि शुरुआत में नीलामी 14 दिसंबर को कराने की चर्चा थी। स्रोतों ने कहा, हां, बीसीसीआई ने सभी 10 टीमों के प्रतिनिधियों को व्हाट्सएप पर एक संदेश भेजा है, जिसमें बताया गया है कि नीलामी 16 दिसंबर को होगी और उससे एक दिन पहले 15 दिसंबर को नीलामी से जुड़ी जानकारी दी जाएगी। वे बस यह जानना चाहते थे कि सभी 10 टीमों से कितने लोग नीलामी में शामिल होंगे, ताकि होटल में उनके लिए जल्द से जल्द बुकिंग की जा सके।

पहली बार गोवा में होगी नीलामी

एक ओर 16 दिसंबर को आईपीएल 2027 की संभावित मिनी नीलामी है, तो दूसरी तरफ उसी दिन बंगलूरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में भारत और श्रीलंका के बीच दूसरा वनडे मैच भी खेला जाना है। सीरीज का पहला मैच 13 दिसंबर को नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में होना है। इसका मतलब यह भी है कि गोवा पहली बार आईपीएल नीलामी की मेजबानी करेगा।



सभी 10 टीमों ने कसी कमर

इस मिनी नीलामी के जरिए सभी 10 फ्रैंचाइजी चेन्नई सुपर किंग्स, दिल्ली कैपिटल्स, गुजरात टाइटंस, कोलकाता नाइट राइडर्स, मुंबई इंडियंस, लखनऊ सुपर जायंट्स, पंजाब किंग्स, राजस्थान रॉयल्स, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद अपनी टीमों में मौजूद कमियों को दूर कर सकेंगी। यह प्रक्रिया नवंबर के मध्य में रिटेशन और रिलीज की विंडो बंद होने के बाद होगी। नवंबर के मध्य में, सभी 10 फ्रैंचाइजी को नीलामी से पहले बीसीसीआई को उन खिलाड़ियों की अंतिम सूची सौंपनी होगी जिन्हें वे रिटैन कर रही हैं या रिलीज कर रही हैं। इसके बाद, बोर्ड उन खिलाड़ियों की सूची तैयार करेगा जिनकी नीलामी की जाएगी।

वेस्टइंडीज के खिलाफ खेली गई पांच मैचों की सीरीज में बैच पर बैठे रहे युवा खिलाड़ी न्यूजीलैंड के साथ टी-20 सीरीज में भी वैभव को मौका दिए जाने पर सवाल!

नई दिल्ली, एजेंसी
भारत के युवा सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को वेस्टइंडीज के खिलाफ हाल ही में खत्म हुई पांच मैचों की टी20 सीरीज में एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला। वह पूरी सीरीज में बैच पर ही बैठे रहे। इस सीरीज के बाद भारत को न्यूजीलैंड दौरे पर जाना है और इसकी शुरुआत टी20 सीरीज से ही होगी। हालांकि, दौरे से पहले ही ऐसे संकेत मिल गए हैं कि वैभव वहां भी बैच पर ही दिखेंगे। 115 साल के इस बल्लेबाज ने अपनी तूफानी बैटिंग से हर किसी का ध्यान अपनी तरफ खींचा है। वह पूरे विश्व में चर्चा का विषय हैं। न्यूजीलैंड के कोच रॉब वॉल्टर तक उनकी तारीफ कर चुके हैं, लेकिन टीम इंडिया की प्लेइंग-11 में उनकी जगह नहीं बन रही है।

कप्तान बोले कभी- कभी इंतजार करना पड़ता है

भारत और वेस्टइंडीज के बीच खेली गई टी20 सीरीज का आखिरी मैच बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में बारिश के कारण रद्द हो गया। इस मैच के बाद भारतीय टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर ने जो कहा है उससे लग रहा है कि न्यूजीलैंड में भी वैभव को मौका मिलना बहुत मुश्किल है। अय्यर ने कोच गौतम गंभीर की तरह ही वैभव को इंतजार करने की सलाह दी है। मैच के बाद जब अय्यर से वैभव को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, ‘मैं उनसे बस इतना कहता रहता हूँ कि तुम्हें तुम्हारे मौके मिलेंगे। अगर आप अपनी प्रक्रिया को लेकर निरंतर रहोगे, दबाव नहीं लोगे और मौका मिलने के बारे में ज्यादा नहीं सोचोगे तो समय आएगा। आपको कुछ देर इंतजार करना होगा। हमारे पास दो शानदार ओपनर हैं जो निरंतर अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं।’



अभिषेक-संजू हैं प्राथमिकता

अय्यर के बयान से साफ संकेत मिलता है कि ओपनर्स के तौर पर टीम की प्राथमिकता संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा हैं। इस जोड़ी ने टी20 वर्ल्ड कप से कमाल किया है और टीम को खिताब बचाने में मदद की थी। दोनों अपनी तूफानी बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में भी दोनों का बल्ला चला था। इंग्लैंड दौरे पर जरूर संजू का बल्ला शांत रहा था तो दो मैचों में वैभव को मौका मिला था। इसके बाद संजू और अभिषेक के रहते एशियन गेम्स में वैभव टीम में खेले थे, लेकिन अब ऐसा होने के आसार नहीं दिख रहे हैं। भारतीय टीम वैभव को बैंकअप ओपनर के तौर पर लेकर ही चल रही है।

अय्यर ने होप के प्रदर्शन की तारीफ की

भारत के कप्तान श्रेयस अय्यर ने कहा कि दूसरे और चौथे मैच में बेहतर गेंदबाजी करते, तो सीरीज का नतीजा अलग हो सकता था। उन्होंने वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों और खासकर शाई होप को पूरी सीरीज में अच्छा खेलने का श्रेय दिया। अय्यर ने कहा, ‘जहां श्रेय देना चाहिए, वहां देना चाहिए। उन्होंने अच्छी बल्लेबाजी की। शाई होप ने पूरी सीरीज में जिस तरह बल्लेबाजी की, वह शानदार था।

होप बोले- हमारी टीम बेहद करीब थी

वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप ने कहा, ‘हम सीरीज जीतने के बहुत करीब थे। ऐसा कुछ, जो हमने 20 से ज्यादा वर्षों में नहीं किया है।’ उन्होंने कहा, ‘हम निश्चित रूप से आगे बढ़ रहे हैं। सफलता का मतलब केवल सीरीज जीतना नहीं है।’ होप ने कहा कि टीम के खिलाड़ियों ने अलग-अलग मौकों पर जिम्मेदारी उठाई।

बारिश से बेनतीजा रहा

5वां मैच भारत और वेस्टइंडीज के बीच पांचवां टी-20 बेनतीजा रहा। बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में बारिश की वजह से 6:30 बजे होने वाला टॉस ढाई घंटे लेट 9 बजे हुआ।

विमेंस अंडर 17 फुटबॉल वर्ल्डकप का 10 वां एडिशन

फुटबाल: आज से मोरक्को में होगी खिताबी मुकाबले की शुरुआत

नई दिल्ली, एजेंसी
महिला फुटबॉल का सबसे बड़ा यूथ टूर्नामेंट आज से शुरू हो रहा है। विमेंस अंडर 17 महिला वर्ल्ड कप का 10वां एडिशन शनिवार से मोरक्को में खेला जाएगा। 24 टीमों के बीच 22 दिनों तक खिताबी भिड़ंत होगी। वहीं डिफेंडिंग चैंपियन उत्तर कोरिया लगातार तीसरी ट्रॉफी जीतने उतरेगा। भारत इस एडिशन का हिस्सा नहीं है। टीम सिर्फ एक बार 2022 में खेली थी। इस स्टोरी में जानिए कौन-सी टीम किस ग्रुप में है, टूर्नामेंट पहली बार कब खेला गया, कौन-सी टीम किननी बार चैंपियन बनी और 2022 में भारत का प्रदर्शन क्या रहा था...

24 टीमों को 6 ग्रुप में बांटा गया

टूर्नामेंट में 24 टीमों को 6 ग्रुप में बांटा गया है। हर ग्रुप की टॉप-2 टीम सीधे राउंड ऑफ 16 में जाएंगी। साथ ही सभी ग्रुप से मिलाकर बेस्ट 4 थर्ड-प्लेस टीमों में भी अगले राउंड के लिए क्वालिफाई होंगी। सभी मैच रवात के मोहम्मद-6 स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में होंगे। वहीं ब्रॉन्ज और फाइनल प्रिंस मौले एल हसन स्टेडियम में खेला जाएगा।

2008 में शुरू हुआ सफर

विमेंस अंडर 17 महिला वर्ल्ड कप की शुरुआत 2008 में न्यूजीलैंड में हुई थी। तब से 2024 तक टूर्नामेंट हर 2 साल में होता था। 2025 से इसे सालाना कर दिया गया है। मोरक्को को 2025 से 2029 तक लगातार पांच एडिशन की मेजबानी दी गई है। यह फीफा के इतिहास में किसी एक देश को मिला ऐसा पहला अवसर है। पहले टूर्नामेंट 16 टीमों के साथ होता था, लेकिन 2025 से टीमों की संख्या बढ़ाकर 24 कर दी गई।



उत्तर कोरिया सबसे ज्यादा

4 बार चैंपियन बना

उत्तर कोरिया ने सबसे ज्यादा 4 बार खिताब जीता है। टीम 2008, 2016, 2024 और 2025 में चैंपियन बनी। टीम ने पिछले साल 2025 में नीदरलैंड को 3-0 से हराकर लगातार ट्रॉफी जीताई। स्पेन ने भी 2018 और 2022 में 2 बार खिताब अपने नाम किया। साउथ कोरिया, फ्रांस और जापान ने एक-एक बार ट्रॉफी उठाई है।

भारत होस्ट नेशन के तौर पर 2022 में खेला

भारत ने 2022 में होस्ट नेशन के रूप में अपना एकमात्र वर्ल्ड कप खेला। हालांकि टीम अपने तीनों ग्रुप मुकाबले हार गई। टीम को ग्रुप- में अमेरिका से 0-8, मोरक्को से 0-3 और ब्राजील से 0-5 से हार खेलनी पड़ी थी। टीम टूर्नामेंट में एक भी गोल नहीं कर सका, जबकि 16 गोल खाए।

मनोरंजन बॉलीवुड का कोना

हनुमान अंश: विदेशी धरती पर भी जमकर हुई धनवर्षा, भारत में 72वें दिन भी स्थिर

नई दिल्ली, एजेंसी
विशाल चतुर्वेदी की फिल्म हनुमान अंश की चर्चा हर तरफ है। 7 अगस्त को रिलीज हुई फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 72 दिन पूरे कर लिए हैं। वहीं बात अगर कलेक्शन की करें तो हनुमान अंश अभी भी शानदार कमाई कर रही है। नीम करोली बाबा के जीवन पर आधारित फिल्म ने अपने कलेक्शन से कई बड़ी फिल्मों को धूल चटाई है। 10वें हफ्ते में 11 करोड़ रुपये के कलेक्शन के साथ हनुमान अंश अब अपने 12वें हफ्ते में प्रवेश कर चुकी है। फिल्म ने 71वें दिन यानी 11 शुक्रवार को 15 लाख रुपये



की कमाई की। हालांकि शनिवार को कमाई में खास उछाल देखने को मिला। फिल्म ने 72वें दिन 58 लाख रुपये का कलेक्शन किया। इसमें सबसे ज्यादा चौंकाने वाली बात ये है कि मूवी तेलुगु बेल्ट में अभी भी कलेक्शन कर रही है। 57 लाख रुपये हिंदी से जबकि 1 लाख रुपये तेलुगु वर्जन से आए हैं। इस तरह धरलू बॉक्स ऑफिस पर हनुमान अंश की कुल कमाई 339.71 करोड़ रुपये हो गई है। वहीं ओवरसीज इसने अपने 72वें दिन 49 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। इस तरह दुनियाभर में हनुमान अंश का डंका बज रहा है।

दुनियाभर में छाई ‘बाबा’ की फिल्म

वर्ल्ड वाइड हनुमान अंश की कमाई 449 करोड़ रुपये हो गई है। इस तरह हनुमान अंश को किले फतह यानी 500 करोड़ रुपये का कलेक्शन करने के लिए सिर्फ 51 करोड़ रुपये की आवश्यकता है। कमाई के ये सिलसिला अगर इस हफ्ते भी जारी रहा तो हनुमान अंश बहुत जल्द वर्ल्डवाइड कलेक्शन के मामले में 500 करोड़ फिल्म बन जाएगी। भारत में हनुमान अंश अभी भी शानदार कमाई कर रही है। नीम करोली बाबा के जीवन पर आधारित फिल्म ने अपने कलेक्शन से कई बड़ी फिल्मों को धूल चटाई है।



मेट्रो बाजार

नई दिल्ली, एजेंसी

एचडीएफसी बैंक ने जुलाई से सितंबर तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। बैंक को इस तिमाही में कुल रु. 19,510 करोड़ का मुनाफा हुआ है, जो पिछले साल इसी समय के मुकाबले करीब 5% ज्यादा है। उस तिमाही में बैंक को रु. 18,641 करोड़ का मुनाफा हुआ था। बैंक की मुख्य कमाई लोगों को दिए गए कर्ज पर मिलने

एचडीएफसी बैंक का मुनाफा 5% बढ़कर रु. 19,510 करोड़

वाले ब्याज से होती है। इसे एनआईआई यानी नेट इंटेरेस्ट इनकम कहते हैं। वह बढ़कर रु. 34,619 करोड़ पर पहुंच गई है। इसमें पिछले साल के मुकाबले करीब 10% की बढ़त दर्ज की गई है। पिछले साल यह करीब रु. 31,550 करोड़ थी। 30 सितंबर 2026 तक बैंक की ओर दिया गया कुल लोन सालाना आधार पर 16.3% बढ़कर रु. 32,19,500 करोड़ पर पहुंच गया। इसे बैंक की भाषा में ग्रांस एडवांसेज कहा जाता है। वहीं बैंक में जमा कुल पैसा 18.8% बढ़कर रु. 33,27,400

करोड़ हो गया। ये पैसा दो तरह से आता है। सेविंग और करेंट अकाउंट डिपॉजिट यानी सीएएसए और फिक्स्ड डिपॉजिट। सेविंग्स और करेंट अकाउंट में जमा पैसा 10.8% बढ़ा। बैंक में जमा कुल पैसों में सीएएसए का हिस्सा 31.6% रहा। जबकि फिक्स्ड डिपॉजिट में 22.8% की बढ़ोतरी दर्ज की गई। बैंक के ग्राहकों के दिए कर्ज की स्थिति यानी एसेट क्वालिटी भी बेहतर हुई है। यानी लोगों को दिया गया पैसा समय पर वापस लौट रहा है और बैंक का डूबा हुआ पैसा कम हुआ है।

एफएचएचआई ने बच्चों के खाद्य उत्पादों में चीनी पर प्रतिबंध का दिया प्रस्ताव

नई दिल्ली, एजेंसी

खाद्य नियामक एफएसएसएआई ने छह माह तक के शिशुओं के खाद्य उत्पादों में फ्रुक्टोज और सुक्रोज मिलाने पर प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव किया है। यह कदम बच्चों के स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए उठाया गया है। इसका उद्देश्य अतिरिक्त चीनी के शुरुआती जोखिम को कम करना है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अनुसार, इसका लक्ष्य शिशुओं के लिए पोषण संबंधी सुरक्षा उपायों को मजबूत करना है। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने खाद्य सुरक्षा और मानक (शिशु पोषण के लिए खाद्य पदार्थ) विनियम, 2020 में मसौदा संशोधन प्रकाशित किया है। इसमें छह माह तक की आयु के शिशुओं के लिए लक्षित खाद्य उत्पादों में सुक्रोज और फ्रुक्टोज को प्रतिबंधित करने का प्रस्ताव है। मसौदा खाद्य सुरक्षा और मानक (शिशु पोषण के लिए खाद्य

पदार्थ) संशोधन विनियम, 2026 मौजूदा नियामक ढांचे को मजबूत करेगा यह सुनिश्चित करेगा कि शिशु पोषण उत्पाद आयु-उपयुक्त पोषण संबंधी आवश्यकताओं के अनुसार तैयार किए जाएं।

वर्तमान नियम क्या कहते हैं?

वर्तमान में, मौजूदा नियम जन्म से 24 माह तक की आयु के बच्चों के लिए विभिन्न श्रेणियों के शिशु पोषण उत्पादों के लिए व्यापक पोषण संरचना, गुणवत्ता और सुरक्षा मानक निर्धारित करते हैं। मौजूदा प्रावधानों के तहत, लैक्टोज और ग्लूकोज पॉलिमर कार्बोहाइड्रेट के पसंदीदा स्रोत हैं। सुक्रोज और/या फ्रुक्टोज को केवल तभी जोड़ा जा सकता था जब कार्बोहाइड्रेट स्रोत के रूप में इसकी आवश्यकता हो, और वह भी निर्धारित सीमाओं के अधीन। अब, मसौदा संशोधन में छह माह तक की आयु के शिशुओं के लिए उत्पादों में सुक्रोज और फ्रुक्टोज नहीं मिलाया जाएगा।

‘मुझे किडनैप कर लिया’ फेम आकांक्षा चौधरी ने लगाया उत्पीड़न का आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी
शो ‘लॉक अप 2’ की प्रतिभागी आकांक्षा चौधरी हाल ही में एक इवेंट के लिए पुणे गई थीं। इवेंट आयोजकों की वजह से उन्हें बहुत बुरा अनुभव हुआ। रियलिटी स्टार ने आरोप लगाया कि आयोजकों ने उन्हें किडनैप कर लिया था और उनका पेंमेंट भी नहीं किया। उन्होंने बताया कि आयोजकों ने उनके साथ, आशीष नाम के एक व्यक्ति और एक अन्य सिंगर के साथ धोखाधड़ी की है। अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर आकांक्षा ने कई वीडियो शेयर किए और अपनी आपबीती बताई। ‘लॉक



अप 2’ की इस कंटेस्टेंट ने कहा कि इवेंट मैनेजमेंट का उन्हें वेन्यू पर ले जाने का कोई इरादा ही नहीं था। उन्होंने कहा, ‘क्योंकि

मेरे दर्शक वहां आ गए थे, इसलिए मैंने उन्हें धमकी दी कि मैं पुलिस में शिकायत दर्ज कराऊंगी और इस मामले को ऑनलाइन सबके सामने लाऊंगी।’ रियलिटी स्टार ने आगे दावा किया कि आयोजकों ने उन्हें और एक दूसरी लड़की को जबरदस्ती कार में बिठाया और एक मैदान में छोड़ दिया। उन्होंने कहा ‘जब हम वहां पहुंचे, तो सामने पूरी ऑडियंस थी।

क्या हैं स्टार के आरोप?

हालांकि, आयोजकों ने उनकी एक न सुनी और आकांक्षा का मजाक उड़ाया। उन्होंने मैनेजमेंट को ‘बेवकूफ’ बताया और दावा किया कि यह सब एक घोटाला था। रियलिटी स्टार ने बताया कि उन्होंने इस इवेंट में शामिल होने के लिए इसलिए हामी भरी थी क्योंकि उनका आशीष से कनेक्शन था। आशीष का चचेरा भाई ही इस इवेंट को संभाल रहा था। मगर आशीष के चचेरे भाई ने भी इसकी कोई जिम्मेदारी नहीं ली। उन्होंने आरोप लगाया, ‘आज तो मुझे एक तरह से किडनैप ही कर लिया गया था। जब मैंने उन्हें थपड़ मारा, तब जाकर वे रुके।’



81 लाख लोग फ्रांस में महंगाई के खिलाफ सड़कों पर

पेरिस। एजेंसी

फ्रांस में बढ़ती महंगाई और ईंधन की कीमतों के विरोध में 8 लाख लोग सड़कों पर उतरे। फ्रांस 24 की रिपोर्ट के मुताबिक राजधानी पेरिस में राष्ट्रपति भवन एलिजे पैलेस से महज 400 मीटर दूर प्रदर्शनकारियों ने हिंसक प्रदर्शन किया और गाड़ियों में आग लगा दी। करीब 12 सौ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। वहीं, लिमोज शहर में नकाबपोश प्रदर्शनकारियों ने टाउन हॉल में आग लगा दी।



इससे 143 साल पुरानी इमारत लगभग पूरी तरह तबाह हो गई। देश के कई हिस्सों में प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच तनाव की स्थिति बनी रही। फ्रांस में करीब एक महीने से प्रदर्शन चल रहे हैं। शुरूआत स्कूली छात्रों के विरोध से हुई थी, जो धीरे-धीरे सामाजिक आंदोलन में बदल गया है।

सितंबर में भारत, तुर्किये और बुनेई की रिफाइनरियों से करीब 1 अरब यूरो के उत्पाद प्रतिबंध लगाने वाले देशों में पहुंचे

रूसी तेल से भारत का कारोबार चमका उत्पादों की बिक्री 43% बढ़ी

नई दिल्ली। एजेंसी

अमेरिकी दबाव के बावजूद भारत रूस से कच्चा तेल खरीद रहा है और इसी तेल को अपनी रिफाइनरियों में प्रोसेस करके तैयार पेट्रोलियम उत्पाद पश्चिमी देशों को बेच रहा है। सितंबर 2026 में भारत, तुर्किये और बुनेई की रिफाइनरियों से उन देशों को करीब 1 अरब यूरो यानी 1.2 अरब डॉलर के तेल उत्पाद भेजे गए, जिन्होंने रूस पर प्रतिबंध लगा रखे हैं। यह कारोबार अगस्त के मुकाबले 43 फीसदी बढ़ गया। सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर (सीआरईए) की रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई है।

जामनगर रिफाइनरी सबसे आगे यूरोप तक पहुंचा भारतीय तेल

इस पूरे कारोबार में रिलायंस इंडस्ट्रीज की गुजरात स्थित जामनगर रिफाइनरी सबसे आगे रही। सितंबर में यूरोपीय संघ (EU) के बंदरगाहों पर पहुंचे सात जहाजों में से छह में इसी रिफाइनरी के तेल उत्पाद थे। इटली को तीन, रोमानिया को दो और स्पेन व साइप्रस को एक-एक खेप मिली। जामनगर से डीजल की करीब 1.04 लाख टन की एक बड़ी खेप रॉटरडैम के रास्ते में भी थी।



यूरोपीय संघ ने जनवरी 2026 से रूस के कच्चे तेल से तैयार पेट्रोलियम उत्पादों के आयात पर रोक लगा रखी है। इसके बावजूद कुछ देशों की रिफाइनरियों से तैयार उत्पाद पश्चिमी बाजारों तक पहुंच रहे हैं। सीआरईए के मुताबिक, सितंबर में यूरोपीय संघ ने

इन रिफाइनरियों से 66.7 करोड़ यूरो, ऑस्ट्रेलिया ने 16.8 करोड़ यूरो और अमेरिका ने 15.4 करोड़ यूरो के उत्पाद खरीदे। न्यूजीलैंड की खरीद 1.9 करोड़ यूरो रही। रिपोर्ट का अनुमान है कि इनमें से 29.5 करोड़ यूरो के उत्पाद रूसी कच्चे तेल से बने थे।

सीआरईए ने नियमों में बदलाव की उठाई मांग

रिपोर्ट के मुताबिक, मौजूदा नियमों में एक ऐसी गुंजाइश है, जिसका फायदा उठाकर रूसी तेल से बने उत्पाद दूसरे देशों में बेचे जा सकते हैं। सीआरईए ने सुझाव दिया है कि जिस रिफाइनरी में पिछले छह महीनों के दौरान रूसी कच्चा तेल प्रोसेस हुआ हो, वहां के उत्पादों पर प्रतिबंध लगाया जाए। हालांकि, यह संस्था की सिफारिश है, यूरोपीय संघ की घोषित नई नीति नहीं।

भारत की रूसी तेल खरीद में आई गिरावट

सितंबर में भारत का रूसी कच्चे तेल का आयात अगस्त के मुकाबले 13 फीसदी घट गया। जामनगर में 27 फीसदी, इंडियन ऑयल की पारादीप रिफाइनरी में 21 फीसदी और नायरा एनर्जी की वाडिनार रिफाइनरी में 8 फीसदी की कमी दर्ज हुई। इसके बावजूद वाडिनार रूसी तेल खरीदने के मामले में जामनगर से आगे निकल गई। भारत की कुछ अन्य रिफाइनरियों ने भी खरीद घटाई, जबकि आईओसी के मुंद्रा ऑयल टर्मिनल पर सितंबर में 5.70 लाख टन रूसी तेल पहुंचा।

रूस के लिए भारत अब भी बड़ा ग्राहक

सितंबर में भारत ने रूस से कुल 410 करोड़ यूरो के ऊर्जा उत्पाद खरीदे। इसमें 360 करोड़ यूरो का कच्चा तेल शामिल था। बाकी रकम कोयले और पेट्रोलियम उत्पादों पर खर्च हुई। रूस के कुल कच्चे तेल निर्यात में दिसंबर 2022 से अब तक भारत की हिस्सेदारी 37 फीसदी रही है, जबकि चीन की हिस्सेदारी 50 फीसदी है। विश्लेषकों का मानना है कि भारत की खरीद में कमी की वजह सिर्फ अमेरिकी दबाव नहीं, बल्कि रूस से तेल की सीमित उपलब्धता और चीन से बढ़ती प्रतिस्पर्धा भी है।

न्यूज विंडो

यूपी में दर्दनाक हादसा: डिवाइडर तोड़कर पलटी थार, तीन की मौत



सहारनपुर। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले में दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे पर एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ है। नागल के बेलड़ा जुनारदार के पास गोल चक्कर पर रविवार तड़के एक तेज रफ्तार थार कार अनियंत्रित होकर पलट गई। इस दुर्घटना में आगरा के तीन युवकों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हुए हैं। मृतकों की पहचान साहिल तिवारी (25), सक्षम उपाध्याय (22) और राहुल कुमार (24) के रूप में हुई है। साहिल तिवारी आगरा के शांतिनगर कमना नगर के निवासी थे। सक्षम उपाध्याय आगरा के रैनका बाग के रहने वाले थे। राहुल कुमार आगरा की तेहड़ी बगिया के निवासी थे।

सीएम योगी ने पंडालों में सुरक्षा के लिए डीएम को फील्ड में रहने के लिए निर्देश

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में दुर्गा पूजा पंडालों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सभी पुलिस कमिश्नर,



जिलाधिकारियों और पुलिस कप्तानों को आवश्यक निर्देश दिए हैं। उन्होंने अधिकारियों को पंडालों में सुरक्षा इंतजामों की जांच करने और किसी भी आपात स्थिति से

निपटने के लिए पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित कराने को कहा है। निर्देशों के तहत सभी अधिकारी दुर्गा पंडालों में अग्नि सुरक्षा के इंतजामों की जांच करेंगे। जिलाधिकारी और पुलिस कप्तान प्रवेश व निकास द्वारों का निरीक्षण करेंगे। साथ ही, आपात स्थिति में लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए पर्याप्त इमरजेंसी एजिंट की व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाएगी।

नाबालिग से दुष्कर्म करने वाले दो आरोपी मुठभेड़ में गिरतार

गाजियाबाद। गाजियाबाद में विजयनगर पुलिस ने शनिवार देर रात दुष्कर्म के मामले में दो आरोपियों को मुठभेड़ में गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने एक नाबालिग को बहलाकर उसके साथ दुष्कर्म किया था। मामले में पुलिस ने शनिवार देर रात ही केस दर्ज किया है। सीपी उपासना पांडेय के मुताबिक, पुलिस को चेकिंग के दौरान जल निगम प्लांट के पास बाइक पर दो व्यक्ति सदिग्ध लगे। रोकने का इशारा करने पर दोनों बाइक मोड़कर फरार होने लगे। इसी दौरान बाइक का संतुलन बिगड़ने से दोनों नीचे गिर गए। पुलिस को अपनी तरफ आता देख उन्होंने पुलिस पर फायर कर दिया। जवाबी फायरिंग में दोनों के पैरों में गोली लगी। पकड़े गए आरोपी चमन कॉलोनी निवासी मुस्तकीम और सिद्धार्थ विहार निवासी प्रदीप हैं।

ग्रेटर नोएडा: 5 की मौत के मामले में नया मोड़, महेश की दो बहन और बहनोई पर केस

ग्रेटर नोएडा। एजेंसी

उत्तर प्रदेश के गौतम बुद्धनगर जिले के ग्रेटर नोएडा के रबपुरा में शनिवार को एक ही परिवार के पांच लोगों की सदिग्ध मौत के मामले में नया मोड़ आया है। मृतक महेश के साले की पुलिस में शिकायत दी है। पुलिस ने उसकी शिकायत पर महेश की दो बहनों और एक बहनोई के खिलाफ प्रताड़ना के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस के मुताबिक, मृतक महेश ने मौत से पहले अपने फोन में वॉइस नोट रिकॉर्ड किया था। इस रिकॉर्डिंग में महेश ने अपनी दो बहनों और एक बहनोई को परिवार की मौत के लिए जिम्मेदार ठहराया था। सूत्रों के मुताबिक, जांच के दौरान पुलिस के हाथ मृतक महेश का मोबाइल लगा है, जिसमें एक कथित ऑडियो रिकॉर्डिंग मिलने की बात सामने आ रही है। चर्चा है कि इस ऑडियो में महेश ने कुछ परिचितों को अपनी और अपने परिवार की मौत का जिम्मेदार ठहराया है।



झारखंड: नकाबपोशों ने की सीसीएल कर्मों की हत्या, पत्नी को बनाया बंधक!

रांची। एजेंसी

सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) की आग्रपाली परियोजना में कार्यरत डाटा एंट्री ऑपरेटर मंगलेश पाल की गिद्धी स्थित उनके क्वार्टर में घुसकर दो नकाबपोश अपराधियों ने धारदार हथियार से बेरहमी से हत्या कर दी। शनिवार देर रात हुई इस सनसनीखेज वारदात के दौरान अपराधियों ने उनकी पत्नी सोनाली को बंधक बना लिया। अपराधियों ने सोनाली के हाथ बांध दिए और मुंह पर टेप चिपका दिया, ताकि वह मदद के लिए शोर न मचा सके। वारदात को अंजाम देने के बाद नकाबपोश दो मोबाइल फोन और जेवरत लूटकर फरार हो गए। इस घटना से पूरे इलाके में सनसनी और दहशत का माहौल व्याप्त हो गया है। मृतक की पत्नी सोनाली के अनुसार, घटना के समय दोनों पति-पत्नी क्वार्टर में बैठकर मोबाइल देख रहे थे। उसी दौरान अचानक दो अज्ञात नकाबपोश बदमाश जबरन अंदर घुस आए। बदमाशों ने तुरंत दंपती को पकड़ लिया और महिला के हाथ बंधकर मुंह पर टेप चिपका दिया। इसके बाद हमलावरों ने मंगलेश पाल पर धारदार हथियार से हमला कर उनकी निर्मम हत्या कर दी।

मेट्रो एंकर

शिमला। एजेंसी

हेल्दी मिलेट्स (मोटा अनाज) के नाम पर बाजार में बिक रहे खाद्य पदार्थ सेहत के लिए हानिकारक साबित हो सकते हैं। बाजार में इन्हें अल्ट्रा प्रोसेस कर मिलेट्स कुरकुरे, चिप्स, बिस्कुट, नूडल्स, सूप बनाकर बेचा जा रहा है। मिलेट्स फूड को रासायनिक और कई मशीनरी प्रक्रिया से गुजारने के बाद रेडी टू ईट बनाया जा रहा है। इनमें स्वाद और आकर्षक रंग बढ़ाने के लिए पाम ऑयल, आर्टिफिशियल फ्लेवर और उच्च तापमान का इस्तेमाल भी किया जाता है। ऐसे उत्पादों को स्वास्थ्यवर्धक बताकर महंगे दामों पर बेचा जा रहा है। इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (आईजीएमसी) शिमला के कम्युनिटी मेडिसिन विभाग के चिकित्सक डॉ. अमित सचदेवा के शोधपत्र में मिलेट्स की प्रोसेसिंग से जुड़े इन पहलुओं को सामने रखा गया है।



आईजीएमसी शिमला के शोध में हुआ चिंताजनक खुलासा

चिप्स, नूडल्स के नाम पर बिक रहे मिलेट्स फूड में फाइबर-मिनरल गायब

सामान्य तरह से

उपलब्ध चीजें ही बेहतर

मोटे अनाज में आयरन, कैल्शियम, विटामिन, फाइबर समेत अन्य पोषक तत्व भरपूर मात्रा में उपलब्ध होते हैं। यह मोटापा, शुगर और गंभीर बीमारियों से भी बचाते हैं। बाजरा, ज्वार, कंगनी, रागी, चना, कोदा समेत अन्य मोटा अनाज को आटा फॉर्म या प्राकृतिक रूप में खाना बेहतर होता है। मशीनों से गुजारने के बाद इसका अल्ट्रा प्रोसेस शुरू हो जाता है।

रेडी टू ईट खाद्य पदार्थ बनाने से आवश्यक पोषक तत्व खत्म: शोध

शोधपत्र के अनुसार रेडी टू ईट खाद्य पदार्थ बनाने से आवश्यक पोषक तत्व खत्म हो जाते हैं और हेल्दी मिलेट्स फूड बताए गए पदार्थ सेहत सुधारने की बजाय बिगाड़ने का काम कर रहे हैं। इसमें न केवल फाइबर और मिनरल की कमी होती है बल्कि विटामिन व अन्य पोषक तत्व भी न के बराबर रह जाते हैं। दूसरी ओर, पैकेट बंद दलिया व अन्य मोटे अनाज की चमक बढ़ाने को की जा रही पॉलिशिंग भी सेहत के लिए नुकसानदायक साबित हो रही है। यह भी सामने आया है कि मिलेट्स से बना आटा व अन्य पदार्थों में भी कई प्रकार की कमियां हैं। कारखानों में मोटे अनाज से बनाए आटे को पकाने में आसान बनाने के लिए ऊपरी चोकर, अंकुर व अन्य बाहरी परतों को पूरी तरह छील दिया जाता है। इससे प्राकृतिक फाइबर और माइक्रो-न्यूट्रिएंट्स नष्ट हो जाते हैं और सिर्फ स्टार्च बचता है।